सान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 02 | अंक – 267 | जौनपुर, सोमवार, 24 जून 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

पेपर लीक मामले में भड़के सपाई, शिक्षा मंत्री का पुतला फूंका

अमेठी, संवाददाता। देश में एनटीए के परीक्षा संचालन की पारदर्शिता पर उठ रहे सवालों के साथ अमेठी में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है। शनिवार को पेपर लीक होने से अभ्यर्थियों को हो रही परेशानी से खफा सपा कार्यकर्ताओं ने गौरीगंज स्थित हनुमान तिराहे पर प्रदर्शन किया। समाजवादी पार्टी लोहिया वाहिनी कार्यकर्ताओं ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला फूंक कर विरोध जताया।

कार्यकर्ताओं ने नीट परीक्षा को रद्द कर सुचिता पूर्ण ढ़ंग से कराने की मांग की। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) में अनियमितता के खिलाफ शनिवार को समाजवादी लोहिया वाहिनी के कार्यकर्ता प्रदर्शन पर उतर आए। कार्यकर्ताओं ने गौरीगंज शहर में विरोध जताने के बाद हनुमान तिराहे पर विरोध प्रदर्शन करते हुए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला फूंका। इस दौरान केंद्र और प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। भ्रष्टाचार का आरोप लगाकर नीट को रद्द करने की मांग की। सपा लोहिया वाहिनी के जिलाध्यक्ष अध्यक्ष सूबेदार यादव ने कहा कि लगातार सरकार परीक्षाएं रद्द करवा रही हैं। पूरे मामले की सीबीआई से जांच कराते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

अब टैबलेट में दर्ज होगी बेसिक शिक्षकों की उपस्थिति

लखनऊ, संवाददाता। योगी सरकार प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों को डिजिटली एक्टिव करने को लेकर अपनी मुहिम को आगे बढ़ाने जा रही है। इस क्रम में प्रदेश भर के परिषदीय स्कूलों के सभी 12 तरह के रजिस्टर्स को डिजिटल किए जाने के साथ ही शिक्षकों और छात्रों की उपस्थिति भी डिजिटल मार्क किए जाने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। इसके अंतर्गत छात्रों के साथ–साथ शिक्षकों को भी टैबलेट पर फेस रिकग्निशन सिस्टम (चेहरा दिखाकर) से उपस्थिति दर्ज करानी होगी। 15 जुलाई से यह प्रक्रिया पूरे प्रदेश में लागू हो जाएगी। उल्लेखनीय है कि योगी सरकार बीते काफी समय से परिषदीय स्कूलों में सभी तरह के कार्यों को डिजिटली किए जाने पर जोर दे रही है। इसी के तहत इन स्कूलों के सभी 12 तरह के रजिस्टर को डिजिटल किए जाने के लिए प्रेरणा पोर्टल पर डिजिटल मॉड्यूल तैयार किया गया है। यही नहीं, डिजिटल अटेंडेंस के लिए भी स्कूलों को टैबलेट और सिम प्रदान किए गए हैं।

उच्च स्तरीय बैठक में अमित शाह ने बारिश और बाढ़ से निपटने की तैयारियों की समीक्षा की

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मानसून के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में बाढ़ आने की स्थिति में उससे

निपटने की तैयारियों की रविवार को समीक्षा की। हर साल मानूसन में बारिश के कारण विभिन्न नदियों का जलस्तर बढ़ने की वजह से बिहार, असम और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों के बड़े हिस्से जलमग्न हो जाते हैं। गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया, ''गृह मंत्री ने यहां एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की और देश में बाढ़ प्रबंधन के लिए तैयारियों की समीक्षा की।''उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम और कुछ अन्य राज्यों को भी मानसून के दौरान भूस्खलन और बारिश से जुड़ी अन्य समस्याओं का सामना करना पड़ा है। पिछले कुछ वर्षों में तमिलनाडु, केरल और जम्मू कश्मीर में भी बाढ़ आयी है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल, गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, विभिन्न मंत्रालयों और गृह, जल संसाधन, नदी विकास, पृथ्वी विज्ञान, पर्यावरण, सड़क परिवहन विभागों के सचिव, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के अधिकारी भी बैठक में शामिल हुए। अधिकारियों के अनुसार, अभी असम में बाढ़ से 10 जिलों में 1.17 लाख लोग प्रभावित हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा।

केंद्रीय मंत्री अर्जुन मेघवाल का आह्वान, देश के सही कानूनी इतिहास को समझने की जरूर

नई दिल्ली, एजेसी। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय (स्वतंत्र प्रभार) के राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वंडालूर में श्आपराधिक न्याय प्रणाली के प्रशासन में भारत का प्रगतिशील मार्गश पर आयोजित सम्मेलन में देश के सही कानूनी इतिहास को समझने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत में औपनिवेशिक समय में बनाए गए कानून में भारतीय स्वाभाव और सामाजिक वास्तविकताओं की अनदेखी की गई। वो कानून सिर्फ औपनिवेशिक शासकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए ही बनाए गए थे।

एक जुलाई से देश में लागू होंगे तीन नए कानून

ये सेमिनार दिल्ली, गुवाहाटी और कोलकाता में आयोजित सेमिनार के श्रृखंला का चौथा सेमिनार था।

जिसमें हाईकोर्ट के जज, वकील, शिक्षाविद, कानून प्रवर्तन एजेंसियों के प्रतिनिधि और छात्रों ने हिस्सा लिया। इस सत्र को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने गुलामी की मानसिकता वाले पुराने कानूनों को हटाकर भारतीयता और न्याय की मूल भावना को समाहित करते हुए तीन नए कानून बनाए हैं। जिनमें भारतीय न्यायिक संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम शामिल हैं, जिन्हें 1 जुलाई से पूरे देश में लागू किया जाएगा।

बिना सोचे–समझे लागू किया गया आयरिश दंड संहिता

केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि कानूनी प्रणाली का विकास, विशेष रूप से 1757 में प्लासी की लड़ाई से लेकर ब्रिटिश शासन के तहत आपराधिक न्याय, डॉक्ट्रिन ऑफ लैप्स, कानूनों का संहिताकरण आदि जैसे कानूनों की शुरूआत देश में औपनिवेशिक शासन के अनुकूल और उसे कायम रखने के लिए की गई थी। उन्होंने कहा कि आयरिश दंड संहिता को बिना सोचे–समझे भारत में लागू किया गया, जबकि तत्कालीन भारत में व्याप्त वास्तविकताओं से अनजान थे।

संयुक्त अरब अमीरात के दौरे पर जयशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जाएंगे। इस दौरान वह अपने समकक्ष अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात करेंगे। वहीं, दोनों नेताओं के बीच कई मुद्दों पर चर्चा होगी। बताया जा रहा है कि द्विपक्षीय मुद्दों के अलावा, जयशंकर और अल नाहयान के गाजा में समग्र स्थिति पर विचार–विमर्श करने की उम्मीद है। जयशंकर की यात्रा भारत और यूएई के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी के साथ–साथ क्षेत्रीय और वैश्विक विकास की समीक्षा करने का अवसर प्रदान करेगी। विदेश मंत्रालय ने कहा कि विदेश मंत्री एस जयशंकर आज यूएई की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे। यात्रा के दौरान विदेश मंत्री संयुक्त अरब अमीरात के अपने समकक्ष के साथ साझेदारी के विभिन्न मुद्दों पर बैठक करेंगे। भारत और यूएई के बीच संबंध पिछले कुछ वर्षों में काफी बढ़े हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगस्त 2015 में संयुक्त अरब अमीरात की ऐतिहासिक यात्रा के बाद, दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया गया है। दोनों देशों ने आर्थिक जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए फरवरी 2022 में एक व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। व्यापार समझौते में कई लाभ दिए गए हैं।

घोटाले के लिए सरकार के शीर्ष अधिकारी जिम्मेदार – खरगें

नयी दिल्ली, एजेंसी। नीट पेपर लीक विवाद के बाद केंद्र सरकार ने कार्रवाई करते हुए एनटीए के डायरेक्टर जनरल पद से सुबोध कुमार सिंह को हटा दिया है।

फिलहाल उनकी जगह प्रदीप सिंह खरोला को नया डायरेक्टर बनाया गया है। लेकिन इस सब के बीच कांग्रेस की तरफ से केंद्र सरकार पर जुबानी हमले लगातार जारी है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने नीट–यूजी में कथित अनियमितताओं के बाद राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी में नौकरशाही में फेरबदल को लेकर निशाना साधा और कहा कि इस धांधली की जिम्मेदारी केंद्र सरकार के शीर्ष अधिकारियों पर है।

नौकरशाहों को हटाना बर्बाद शिक्षा व्यवस्था का समाधान नहीं

मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया एक्स (पहले ट्विटर) पर एक पोस्ट में लिखा, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी एक को एक स्वायत्त निकाय के रूप में पेश किया गया था, लेकिन वास्तव में इसे भाजपा और आरएसएस के कपट हितों की सेवा के लिए बनाया गया था। उन्होंने आगे लिखा नीट घोटाले की जिम्मेदारी केंद्र सरकार के शीर्ष अधिकारियों के दरवाजे पर रुकती है। लेकिन इस घोटले के बाद नौकरशाहों को हटाना भाजपा की बर्बाद की शिक्षा व्यवस्था की समस्या का समाधान नहीं हैं। उन्होंने कहा कि छात्रों को न्याय दिलाने के लिए मोदी सरकार को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

एनटीए के महानिदेशक सुबोध सिंह पद से हटाए गए

नीट विवाद में शनिवार को केंद्र सरकार ने हाल के दिनों में प्रभावित होने वाली चौथी प्रवेश परीक्षा, नीट–पीजी प्रवेश परीक्षा को भी स्थगित कर दिया और एनटीए के महानिदेशक सुबोध सिंह को हटाते हुए मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट–यूजी में धांधली की जांच सीबीआई को सौंप दी। वहीं मामले में शिक्षा मंत्रालय ने एजेंसी के कामकाज की समीक्षा करने और परीक्षा सुधारों की सिफारिश करने के लिए पूर्व इसरो प्रमुख के. राधाकृष्णन की अध्यक्षता में सात सदस्यीय पैनल का गठन किया है।

शिक्षा व्यवस्था में शिक्षा माफिया ने की घुसपैठ– खरगे

मल्लिकार्जुन खरगे ने आगे कहा कि नीट–पीजी की परीक्षा स्थगित कर दी और पिछले 10 दिनों में सभी चार परीक्षाओं को रद्द या स्थगित किया गया है।

जम्मू–कश्मीर में आतंकवाद अपनी आखिरी सांस ले रहा है – एलजी सिन्हा

जम्मू, एजेंसी। जम्मू –कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में आतंकवाद अपनी आखिरी सांस ले रहा है और हालिया आतंकवादी घटनाएं दुश्मन की हताशा का संकेत हैं। हमें आतंकवादियों और उन्हें आश्रय देने वाले उनके सहयोगियों का पता लगाना चाहिए। प्रशिक्षण पूरा होने पर परेड में भाग लिया। उन्हें अपने कर्तव्यों का निष्ठा एवं ईमानदारी से पालन करने की शपथ दिलाई गई।

विद्युत मजदूर संगठन उत्तर प्रदेश की केंद्रीय कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। विद्युत मजदूर संगठन उ. प्र. की केंद्रीय कार्यकारिणी यूपी

प्रेस क्लब हजरतगंज लखनऊ में संगठन के अध्यक्ष आर वाई शुक्ला की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में कार्यलय सहायक/टीजी 2 को ग्रेड पे 3 000 एवं तृतीय एसीपी पूर्व की भांति 6600 दिए जाने, कैशलेस इलाज की सुविधा दिए जाने, संविदा कर्मियों को रिक्त पदों पर समायोजित किए जाने, अनुग्रह धनराशि 20 लाख रुपए किए जाने, अंतरनिगमीय आमेलन खोले जाने तथा मार्च 2023 में हड़ताल के दौरान की गई उत्पीड़नात्मक कार्यवाही समाप्त किए जाने आदि मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में संगठन के कार्यवाहक अध्यक्ष आलोक सिन्हा,प्रदेश प्रभारी आरसी पाल, बाबू प्रताप सिंह, मोहन बाबू आर्य, एसके सिंह, जलीलुर रहमान, हसीन अहमद,सौरभ पाठक, दीपक कश्यप, कृष्ण कुमार, कपिल सारस्वत, एसके सिंह,अभिषेक सिंह,चंद्रशेखर, राम सजीवन, लक्ष्मण राम, सचिन श्रीवास्तव, मनप्रीत,कमल किशोर, अरविंद कुमार, निरोत्तम सिंह, एडवोकेट एस के अवस्थी, राकेश कुमार आदि लोगों ने अपने विचार रखें। सभा के अन्त में संगठन के मुख्य महामंत्री श्रीचन्द्र ने बताया की संगठन का वार्षिक सम्मेलन 23 अगस्त 2024 को आयोजित किया जाएगा।

राष्ट्रवादियों के मार्गदर्शक थे डा. मुखर्जी- सीएम योगी

लखनऊ, संवाददाता। एक देश में एक प्रधान, एक विधान, एक निशान के मुद्दे और भारत की अखंडता को लेकर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने 23 जून 1953 को अपना बलिदान दिया था। देश 1947 में आजाद हुआ और 1950 में संविधान लागू किया गया। इसके बाद तत्कालीन कांग्रेस नेतृत्व की सरकार ने देश के संविधान में धारा–370 जोड़कर राष्ट्रीय अखंडता को गंभीर चोट पहुंचाने का कुत्सित प्रयास किया था। डॉ. मुखर्जी उस समय उद्योग व खाद्य मंत्री के रूप में देश की सेवा कर रहे थे, लेकिन सरकार की मंशा को ध्यान में रखकर उन्होंने पद छोड़ दिया और देश की प्रतिष्ठा व अखंडता के लिए कश्मीर से धारा–370

हटाने के लिए व्यापक आंदोलन प्रारंभ किया।

उक्त बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। उन्होंने भारतीय जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर सिविल हॉस्पिटल परिसर हजरतगंज स्थित प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। सीएम ने डॉ. मुखर्जी को भारत माता का महान सपूत, प्रख्यात स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, अखंड भारत का स्वप्नदृष्टा बताया। उन्होंने भारतीय जनसंघ के हजारों कार्यकर्ताओं के साथ कश्मीर सत्याग्रह के लिए अभियान प्रारंभ किया, इसके लिए उन्हें प्राण भी त्यागना पड़ा। कश्मीर में धारा–370 समाप्त कर एक देश में एक प्रधान, एक विधान, एक निशान की भावनाओं को सम्मान करने का कार्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की एनडीए सरकार ने किया है। यह कश्मीर, देश की अखंडता और सीमा की सुरक्षा के लिए बलिदान देने वालों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, पूर्व उप मुख्यमंत्री व राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक योगेश शुक्ल, विधान परिषद सदस्य डॉ. महेंद्र सिंह, रामचंद्र प्रधान, लालजी निर्मल, इंजी. अवनीश सिंह, मुकेश शर्मा आदि मौजूद रहे।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने आकाश आनंद फिर उत्तराधिकारी घोषित किया

लखनऊ, संवाददाता। लोकसभा चुनाव में प्रचार के दौरान विवादित बयान से बाद घर बिठा दिए गए भतीजे आकाश आनंद बसपा सुप्रीमो मायावती ने फिर से बसपा की सियासत में वापसी कर ली है। हालांकि बसपा सुप्रीमो ने आकाश को सीधे यूपी के सियासी अखाड़े में न उतारकर दूसरे राज्यों में बसपा को मजबूत करने की कमान सौंपी है। वहीं मायावती ने दूसरे राज्यों के यूपी के 10 विधानसभा चुनाव में सभी सीटों पर बसपा के चुनाव लड़ने का एलान भी किया है। बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष रविवार को यहां पार्टी कार्यालय में लोकसभा चुनाव के परिणामों की समीक्षा में आकाश को पार्टी के क्रियाकलापों में शामिल करने के साथ ही कई राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव प्रत्याशी उतारने का एलान किया। आकाश

के पिता एवं मायावती के भाई आनंद कुमार और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा की मौजूदगी में हुई बैठक में मायावती ने कहा कि वर्तमान में केंद्र की भाजपा व एनडीए सरकार स्थिर नहीं है। इसकी अस्थिर होने की स्थिति बन सकती है। ऐसे में पार्टी के लोगों को पूरे देश में संगठन में मिशनरी लोगों को आगे करके पार्टी के जनाधार को बढ़ाना है। इस बार विरोधी पार्टियों द्वारा चुनाव में संविधान बचाओ जैसे अनेकों मुद्दों को लेकर किये गये गलत प्रचार से गुमराह होने की वजह से बसपा का जबरदस्त नुकसान हुआ है। आगे चुनाव में फिर ऐसा नुकसान ना हो।

जिस पार्टी ने संविधान सभा में डॉ. भीमराव अंबेडकर को आने से रोकने के लिए तमाम हथकंडे अपनाए थे, वह अब संविधान बचाने की बात कैसे कर सकती है। कांग्रेस ने तो बाबा साहब को भारत रत्न की उपाधि देकर सम्मानित भी नहीं किया था। आकाश आनंद को पूरी परिपक्वता के साथ पार्टी में कार्य करने के लिए फिर से मौका दिया गया है।

नीट–पीजी स्थगित होना मोदी के राज में बर्बाद हो चुकी शिक्षा व्यवस्था का एक और उदाहरण –राहुल

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने नीट–पीजी स्थगित होने को लेकर शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा तथा कहा कि यह बर्बाद हो चुकी शिक्षा व्यवस्था का एक और दुर्भाग्यपूर्ण उदाहरण है।" केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि उसने कुछ प्रतियोगी परीक्षाओं की शुचिता पर हाल ही में लगे आरोपों के मद्देनजर एहतियात" के तौर पर 23 जून को होने वाली नीट–पीजी प्रवेश परीक्षा को स्थगित करने का फैसला किया है। गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, "अब नीट–पीजी भी स्थगित! यह नरेन्द्र मोदी के राज में बर्बाद हो चुकी शिक्षा व्यवस्था का एक और दुर्भाग्यपूर्ण उदाहरण है। भाजपा राज में छात्र अपना करियर बनाने के लिए 'पढ़ाई' नहीं, अपना भविष्य बचाने के लिए सरकार से 'लड़ाई' लड़ने को मजबूर हैं।" उन्होंने लिखा, "अब यह स्पष्ट है – हर बार चुपचाप तमाशा देखने वाले मोदी पेपर लीक रैकेट और शिक्षा माफिया के आगे पूरी तरह से बेबस हैं।" गांधी ने कहा, ''नरेन्द्र मोदी की अक्षम सरकार छात्रों के भविष्य के लिए सबसे बड़ा खतरा है – हमें देश के भविष्य को उससे बचाना ही होगा।

संपादकीय

जनता दल (यूनाइटेड) के नेता चिंतित

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने मजाकिया अंदाज को सार्वजनिक रूप से दिखाना शुरू कर दिया है। हाल ही में नालंदा विश्वविद्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बगल में बैठे थे। मुख्यमंत्री ने अचानक प्रधानमंत्री का हाथ पकड़ लिया और उनकी उंगलियों की प्रशंसा करने लगे तथा 17 देशों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में हल्के–फुल्के अंदाज में कुछ कहा। कोई नहीं जानता कि नीतीश ने मोदी से क्या कहा, लेकिन प्रधानमंत्री को यह बात पसंद नहीं आई और वे चुप रहे, शायद इसलिए कि वे केंद्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार का समर्थन करने वाले दिग्गजों में से एक नीतीश पर कोई नाराजगी जाहिर नहीं कर सकते। कुछ दिन पहले नीतीश ने देखा कि जनता दल (यूनाइटेड) और भारतीय जनता पार्टी के कुछ मंत्री माथे पर तिलक लगाए हुए हैं। उन्होंने उनके सिर पकड़े और उनके माथे को एक–दूसरे से रगड़ा। नीतीश के इस मजाकिया मूड पर वहां मौजूद लोगों ने खूब ठहाके लगाए, हालांकि उनमें से कोई भी यह नहीं समझ पाया कि ऐसा क्यों किया जा रहा है। नीतीश ने मजाकिया अंदाज में कुछ मौकों पर मोदी के पैर छूने की भी कोशिश की, जो उनसे उम्र में कुछ महीने छोटे हैं। नीतीश के व्यवहार में आए इस बदलाव ने पार्टी नेताओं को चिंतित कर दिया है, क्योंकि पहले वे गंभीर व्यक्ति हुआ करते थे, खासकर सार्वजनिक रूप से। संदिग्ध मामला राहुल गांधी की राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद तैंजतपलं श्रंदंजं क्ंस बीपमि स्ंसन च्तेंक और उनके परिवार के साथ हाल ही में हुई नजदीकियों ने उनके अंदर के खाने के शौकीन को बाहर ला दिया है। हाल ही में वे अपना 54वां जन्मदिन मना रहे थे और लालू के छोटे बेटे तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया पर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। राहुल के धन्यवाद के साथ ही यह सवाल भी था कि अगली बार जब वे लंच करेंगे तो मेन्यू में कौन सी मछली होगी – कतला या रोहू। तेजस्वी ने संकेत दिया कि पार्टी चल रही है और उन्होंने कहा कि कतला फ्राई और रोहू झोल टेबल पर होंगे। राहुल ने लालू और उनके परिवार के साथ मांसाहारी व्यंजनों के प्रति अपने लगाव को दिखाया है। लोकसभा चुनाव प्रचार के अंतिम चरण में कांग्रेस नेता तेजस्वी और लालू की बड़ी बेटी मीसा भारती के साथ पाटलिपुत्र में रोटी, लिट्टी, चावल, चिकन और मटन का लुत्फ उठाते देखे गए। इन व्यंजनों को खाते हुए राहुल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सब कुछ नियंत्रित करना चाहते हैं, जिसमें लोग क्या खाते हैं, यह भी शामिल है। पिछले साल राहुल ने दिल्ली में लालू से खाना बनाने की शिक्षा ली थी और मटन बनाने में उनकी मदद की थी। वे अपनी बहन प्रियंका गांधी के लिए भी कुछ लेकर गए थे। जानकार लोगों ने बताया कि लालू और उनके परिवार ने दिल्ली और पटना में व्यवस्था कर रखी है कि अगर राहुल कभी आना चाहें तो कुछ मांसाहारी व्यंजन जल्दी से बनाए जा सकें। खुली चुनौती अब दूसरे गांधी भाई की बात करते हैं। यह बिना कारण नहीं है कि वायनाड के कुछ स्थानीय लोगों ने पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को केरल की उस सीट से प्रियंका गांधी वाड्रा के खिलाफ चुनाव लड़ने की चुनौती दी है, जो हमेशा से कांग्रेस का गढ़ रहा है। भले ही यह एहसास होना कड़वाहट भरा था कि राहुल रायबरेली सीट बरकरार रखेंगे, लेकिन वायनाड में प्रियंका का उनकी जगह लेना कांग्रेस की जीत को लगभग तय कर देता है। कुछ लोगों का कहना है कि प्रियंका राहुल से ज्यादा अंतर से जीत दर्ज करेंगी। स्थानीय लोग अब ईरानी को वायनाड में प्रियंका के खिलाफ चुनाव लड़ने की चुनौती दे रहे हैं। ऐसा लगता है कि वायनाड के लोग ईरानी की कीमत पर कुछ मौज–मस्ती करना चाहते हैं, जो गांधी भाई–बहनों की सबसे मुखर आलोचकों में से हैं और हाल ही में अमेठी से चुनाव हार गई हैं। इनकार मोड नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा यह दिखाने की पूरी कोशिश कर रही है कि मोदी 2.0 और मोदी 3.0 सरकारों में कोई अंतर नहीं है। पार्टी इस बात से इनकार करती दिख रही है कि 2019 में लोकसभा में उसकी सीटें 303 से घटकर सिर्फ 240 रह गई हैं। मोदी और पार्टी यह घोषणा करते रहे हैं कि मौजूदा सरकार का लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए लौटना ऐतिहासिकष है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह खुद को सरकार और पार्टी में नंबर दो के रूप में पेश करते रहे हैं। वे लोकसभा चुनावों में भाजपा के खराब प्रदर्शन की समीक्षा करने और आगामी विधानसभा चुनावों के लिए रणनीति बनाने के लिए बैठकों की अध्यक्षता कर रहे हैं। इन सब बातों ने लोगों की भौंहें चढ़ा दी हैं। कई लोग पूछ रहे हैं कि सबसे महत्वपूर्ण राज्य उत्तर प्रदेश की समीक्षा में देरी क्यों की जा रही है, जहां पार्टी का प्रदर्शन उम्मीदों से काफी कम रहा। क्या ऐसा इसलिए है क्योंकि उम्मीदवारों के मनमाने चयन के लिए शीर्ष नेतृत्व पर उंगलियां उठ रही हैं? मोदी और शाह यह संदेश देना चाहते हैं कि वे भले ही हार गए हों, लेकिन वे हार से बहुत दूर हैं। खोई हुई प्रतिष्ठा कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार खोई हुई प्रतिष्ठा को वापस पाने की कोशिश में लगे हैं। कांग्रेस के जाने–माने व्यक्ति, जो विधानसभा में कनकपुरा का प्रतिनिधित्व करते हैं, को अपने ही मतदाताओं ने निराश किया, जब उनके छोटे भाई और बेंगलुरु ग्रामीण लोकसभा के मौजूदा सदस्य चुनाव हार गए। इसके बाद शिवकुमार ने एचडी कुमारस्वामी द्वारा खाली की गई चन्नपटना विधानसभा सीट से चुनाव लड़ने के संकेत दिए, जो अब लोकसभा सदस्य और केंद्रीय मंत्री हैं। लेकिन शिवकुमार ने यू–टर्न लेते हुए इस विचार को त्याग दिया है।

तेल संकट से बादशाहत तक अमेरिका की भूमिका

अंशुमान

अमेरिकी लोग जॉर्ज पी. मिशेल को पर्यावरण हितैषी के तौर पर याद करते हैं। पर्यावरण के बैरी तेल उद्यमियों को ऐसी प्रतिष्ठा नहीं मिलती। मिशेल की इस पहचान की वजह है यह वुडलैंड्स शहर, जिसमें रहना हर अमेरिकी का सपना है। यह शहर बसाकर मिशेल एक वाइल्डकैटर से ग्रीन सिटी बिल्डर हो गए। सऊदी अरब तेल बेचने के लिए अमेरिकी डॉलर के साथ येन, युआन और यूरो को भी स्वीकार करेगा। यकीनन यह पेट्रोडॉलर युग के अवसान का एलान है। 1970 के दशक में अरब–इस्राइल युद्ध के दौरान अरब देशों ने अमेरिका में तेल की आपूर्ति बंद कर दी थी। इसके बाद सऊदी अरब व अमेरिका के रिश्ते सुधरे और सामने आया पेट्रोडॉलर समझौता, जिसके तहत पूरी दुनिया सऊदी अरब के तेल के बदले उसे अमेरिकी डॉलर देती थी। इटली में जी–7 की जुटान के बीच हुए इस फैसले से अमेरिका को बड़ा फर्क नहीं पड़ा, क्योंकि वे दिन गए, जब सऊदी शेख तेल की कीमतें तय करते थे और अमेरिकी बाजारों में सिहरन दौड़ जाती थी। अमेरिकी विदेश विभाग के नुमाइंदे परिंदों की तरह अरब में मंडराते थे, ताकि शेखों का पारा ठंडा रहे। बीते पचास वर्षों में तेल का भूगोल ही बदल गया और बदल गई तेल कूटनीति की धुरी भी। सऊदी को तेल बेचने के लिए चीन का बाजार चाहिए, क्योंकि अमेरिका तेल उत्पादन में आत्मनिर्भर ही नहीं, निर्यातक भी हो गया है। वह कौन था, जिसने 1970 के दशक में अरब के तेल के मोहताज अमेरिका को दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा तेल उत्पादक और चौथा सबसे बड़ा निर्यातक बना दिया? किसी एक पीढ़ी में इससे बड़ी ऊर्जा क्रांति हाल की सदियों में नहीं देखी गई। यह किसी राजनेता, डिप्लोमेट या अर्थशास्त्री का करिश्मा नहीं था। एक जुनूनी वाइल्डकैटर यानी गैर पारंपरिक तरीकों से तेल खोजने वाले उद्यमी ने अमेरिकी तेल उद्योग की सूरत बदल दी। आइए, संभालिए अपनी सीट टाइम मशीन में... हम ह्यूस्टन टेक्सास के उत्तर में पाइन के जंगलों के ऊपर से उड़ते हुए वुडलैंड्स पहुंच रहे हैं। यह शहर नगर योजना, प्राकृतिक साहचर्य और आर्थिक सफलता की अनोखी दास्तान है। अमेरिकी यहां बसने को बेताब रहते हैं। अमेरिका को तेल की मोहताजी से बादशाहत तक लाने वाले जुनूनी वाइल्डकैटर ने ही यह अनोखा शहर बसाया था।

अब हम 1980 के दशक के अमेरिका में हैं। नीचे दिख रहा इलाका टेक्सास का है, जो अमेरिकी तेल उद्योग के रॉकफेलर वाले युग का गढ़ है। अगर यहां के माहौल में चिंता या उदासी महसूस कर रहे हैं, तो आपको अमेरिकी तेल संकट की खबर लग गई होगी। रॉकफेलर दौर के तेल कुएं अब सूख रहे हैं। अमेरिका की ऊर्जा सुरक्षा पश्चिमी एशियाई देशों के पास गिरवी है। तेल आयात बंद, तो अमेरिका बंद। 1970 में ओपेक देशों के ऑयल इंबार्गो ने अमेरिका को महंगाई और मंदी में धकेल दिया है। अमेरिका को अब नई ऊर्जा क्रांति चाहिए, नहीं तो देश की तरक्की का पहिया धंस जाएगा। अमेरिकी वैज्ञानिक सरकार को बता चुके हैं कि सेडीमेंट्री यानी परतदार चट्टानों में तेल का खजाना छिपा है। शैल एक परतदार चट्टान है, जो भूमि में एक मील की गहराई में मिलती है। इसकी परतों के अंदर तेल और गैस होता है, पर इसे निकालना पेचीदा है। आमतौर पर तेल के कुएं सीधे यानी वर्टिकल होते हैं, जबकि शैल की परतें क्षैतिज या हॉरिजॉन्टल होती हैं। टेक्सास का बर्नेट बेसिन 1980 में खोज लिया गया था। वैज्ञानिकों ने प्रमाणित किया कि इसमें काफी तेल और गैस है। स्टैंडर्ड ऑयल शैल परतों से तेल–गैस निकालने की कोशिश कर चुकी थी, पर कामयाबी नहीं मिली।

अब हम 1990 के दशक में हैं। हमारी टाइम मशीन टेक्सास के शैल इलाके में उड़ान भर रही है। नीचे देखिए, वह रही मिशेल एनर्जी ऐंड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन की ऑयल फील्ड। यह कंपनी है जॉर्ज पी. मिशेल की। 21वीं सदी से आ रहे हम लोगों को पता है कि अमेरिका ने शैलध्ऑयल की मदद से ओपेक देशों के दबदबे को हमेशा के लिए खत्म कर दिया। 1991 में यह क्रांति आपके सामने शुरू हो रही है। टाइम मशीन की मदद से आप अमेरिका के आधुनिक तेल उद्योग की बुनियाद पड़ती देख रहे हैं। मिशेल का टेक्सास हमेशा से अमेरिकी तेल उद्योग का गढ़ रहा है। मिशेल खालिस वाइल्डकैटर हैं, यानी ऐसे उद्यमी, जो अपनी पूंजी से जगह–जगह तेल तलाशते हैं। मिशेल इंजीनियर भी हैं, इसलिए वाइल्डकैटर होने का उनका जुनून 1980 के दशक में नई ऊंचाई पर पहुंच गया। मिशेल ने शैल गैस की पहेली सुलझाने की ठान ली। मिशेल एनर्जी ऐंड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन ने दीवानों की तरह ऐसी तकनीक की खोज शुरू कर दी, जिससे शैल की क्षैतिज परतों तक पहुंच कर उनमें दरार डाली जाध्सके और तेल व गैस कुएं तक आ जाएं। मिशेल पैराडॉक्स!! ठीक सुना आपने, 1980 के मध्य तक तेल उद्योग में मिशेल को लेकर ऐसा ही मजाक चलता था। तेल की खुदाई तो सीधे वर्टिकल होती थी, मिशेल क्षैतिज ड्रिलिंग की कोशिश में थे। यह तो पैराडॉक्स ही हुआ न! वर्ष 1991 में जिस वक्त हम मिशेल इंजीनियरिंग की ऑयल फील्ड पर पहुंचे, यहां सफलता का उत्सव चल रहा है। मिशेल ने हॉरिजॉन्टल ड्रिलिंग और हाइड्रोलिक फ्रैकिंग को साध लिया है। मिशेल ने पहले चट्टान में सीधी यानी वर्टिकल ड्रिलिंग की, फिर क्षैतिज खुदाई से शैल की परतों तक जगह बनाई, इसके बाद इसमें भरा गया हाई प्रेशर फ्लुइड, जिसमें होते हैं पानी, रसायन और रेत के दाने, जिन्हें प्रोपेंट्स कहा जाता है, यह फ्लुइड शैल परतों में दरार डालता है। यही फ्रैकिंग है, रेत के दाने इन दरारों में फंस जाते हैं और फिर तेल और गैस कुएं में आने लगती है। 2000 तक यह तकनीक और विकसित व प्रभावी हो गई। 21वीं सदी के पहले दशक में ये शैल चट्टानें इतना तेल और गैस उगलने लगीं कि अमेरिका इसे संभाल नहीं पाया। एक वाइल्डकैटर ने अमेरिका की किस्मत बदल दी। अमेरिका में 2023 तक कुल उत्पादन की करीब 72 फीसदी ड्राई गैस मिशेल के करिश्मे से आती थी। अमेरिका का 66 फीसदी यानी करीब 2.83 अरब बैरल तेल इन परतों से निकलता है। तेल उत्पादन में आत्मनिर्भरता तो कब की हासिल कर ली गई। अमेरिका अब दुनिया में तेल का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है और सऊदी, रूस, ईराक के बाद चौथा सबसे बड़ा निर्यातक है। नई तकनीक से शैल ऑयल की लागत 35 डॉलर प्रति बैरल तक आ गई है, जो रूसी तेल की कीमत के बराबर है। हालांकि सऊदी का तेल अब भी इससे सस्ता है। यह फ्रैकिंग की ताकत है कि अमेरिका ने ओपेक के कार्टेल को कीमतें बढ़ाने से रोक दिया है, क्योंकि उसका तेल अब यूरोप से लेकर एशिया तक जा रहा है, जहां कभी ओपेक मुल्क अपना तेल बेचते थे। जॉर्ज पी. मिशेल ने अपने जुनून से इतिहास बदल दिया। ऊर्जा में कमजोर एक मुल्क केवल तीस साल में दुनिया की तेल ताकत बन गया। टाइम मशीन अब वुडलैंड्स में उतरेगी। अमेरिकी लोग जॉर्ज पी. मिशेल को पर्यावरण हितैषी के तौर पर याद करते हैं। पर्यावरण के बैरी तेल उद्यमियों को ऐसी प्रतिष्ठा नहीं मिलती। मिशेल की इस पहचान की वजह है यह वुडलैंड्स शहर, जिसमें रहना हर अमेरिकी का सपना है। यह शहर बसाकर मिशेल एक वाइल्डकैटर से ग्रीन सिटी बिल्डर हो गए। तेल उद्योग उन्हें इंजीनियरिंग और विज्ञान का महारथी मानता है, मगर मिशेल हमेशा कहते थे, मुझे कोई गलतफहमी नहीं है कि मैं एक वाइल्डकैटर हूं, वैज्ञानिक नहीं।

विश्व सिनेमा की जादुई दुनिया

विजय

आज बात करती हूं हिन्दी सिनेमा के एक बहुमुखी प्रतिभा एवं संख्यात्मक दृष्टि से भी सम्पन्न व्यक्तित्व की। वो अभिनेता हैं, सिने–निर्देशक हैं, साथ ही सिने–लेखक यानी स्क्रीनप्ले राइट और संवाद लेखक भी हैं। वैसे आज उनके लेखकीय व्यक्तित्व पर केंद्रित रहूंगी। बात हो रही है, अनुराग कश्यप की। जिनका पूरा नाम है अनुराग सिंह कश्यप। वे दक्षता के साथ चाक्षुष रूप से कहानी तैयार करते हैं। ये कहानियां गहन अर्थ लिए होती हैं। शायद ही कोई हिन्दी का सिने–दर्शक हो, जिसने 1998 की फिल्म 'सत्या' न देखी हो, और देख कर चकित न हुआ हो। हालांकि जैसा अक्सर होता है, स्क्रीनप्ले राइटिंग एक से अधिक लोग मिल कर लिखते हैं। सत्या' का स्क्रीनप्ले भी अनुराग कश्यप ने सौरभ शुक्ला के साथ मिल कर लिखा था। इस फिल्म ने सिने–जगत में हलचल मचा दी थी। इसके संवाद और कहानी कहने का तरीका दर्शक कभी न भुला पाएंगे। राम गोपाल वर्मा द्वारा निर्देशित यह क्राइम थ्रिलर सिनेमैटिक प्रतिभा का एक सर्वोत्तम उदाहरण है। यह फिल्म हिन्दी फिल्मों के लिए एक बेंचमार्क बन गई। इस फिल्म में अनुराग कश्यप ने भीखू मात्रे के चरित्र को गढ़ कर सिनेमा लेखन में एक नए पात्र को जन्म दिया गया है। देश की तत्कालीन स्थिति को शब्दों एवं बिंबों–आकृतियों में पिरो कर इस फिल्म ने 12 पुरस्कार झटक लिए थे। 10 सितंबर 1972 को जन्मे अनुराग ने के. के. मेनन को लेकर जो पहली फिल्म निर्देशित की, वह रिलीज नहीं हुई। लेकिन 2009 में जब उन्होंने 'गुलाल' लिखी और बनाई तो फिर उन्होंने के.के. मेनन को लिया। इस बार कहानी, स्क्रीनप्ले, संवाद और निर्देशन सब उनका था। कहानी में कुछ अन्य लोगों का सहयोग था। एक बार फिर वे डॉर्क थीम उठाते हैं, यहां एक कानून का विद्यार्थी जब तमाम तरह के छद्म, हत्या, अपराध देखता है और यह सब उसके कॉलेज का जनरल सेक्रेटरी चुने जाने के बाद होता है, तो वह प्रतिक्रिया करता है। अनुराग कश्याप के संवादों की विशेषता है, वे अर्थपूर्ण होने के साथ–साथ चरित्र को दर्शकों के सामने खोलते जाते हैं। यहां भरपूर संघर्ष होता है।

प्रसिद्ध फिल्म 'गैंग्स ऑफ वासेपुर'

अनुराग अनूठे तरीके से अधिकार के साथ कहानी कहते हैं। यही उन्होंने अपनी प्रसिद्ध फिल्म 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' (2012) में किया है। ऐसा हुआ है, उस इलाके के लोगों ने इस बात की पुष्टि की है। यह दो गैंग के बीच की लड़ाई है। सुलतान और शाहिद खान के बीच जो संघर्ष प्रारंभ होता है, वह एक पीढ़ी में समाप्त नहीं होता है। यह खून–खराबा तीन पीढ़ियों तक चलता है। अनुराग वास्तविक जीवन से कहानी उठा कर स्क्रीनप्ले तैयार करते हैं। वे सामाजिक मुद्दे उठाते हैं, मानव भावनाओं की गहराई में उतरते हैं। इन्हीं विशेषताओं के चलते 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' को 18 पुरस्कार प्राप्त हुए, यह एक कल्ट फिल्म बन गई। अनुराग की एक अन्य विशेषता है कहानी को परम्परागत ढंग से न कहना, वे यह चुनौती स्वीकारते हैं, यही उन्होंने 'देव डी' (2009) में किया है। शरत्चंद्र चौटर्जी लिखित 'देवदास' पर इसी नाम से कई भाषाओं में कई फिल्म बनी हैं। देवदास एक मिथक बन गया है, यह रूढ़ अर्थ में बंध गया है। इससे छोड़–छाड़ जोखिम का काम है, एक चुनौती है। अनुराग कश्यप ने यह जोखिम उठाया और चुनौती स्वीकार की। उन्होंने शराब की लत को नशे की लत में परिवर्तित कर दिया क्योंक कहानी आज के संदर्भ में चलती है। यहां एक किशोरी वेश्यागिरी में पड़ती है। यहां पारो जैसे जाने–पहचाने पात्र को बिल्कुल नई रोशनी में प्रस्तुत किया गया है। एक बार फिर अनुराग निर्देशन भी संभालते हैं और इस फिल्म को भी 12 पुरस्कार मिलते हैं।

फिल्म 'उड़ान'

दर्शक उनके स्क्रीनप्ले से जुड़ जाता है, उनके यहां कहानी एक रेखीय (लीनियर) नहीं चलती है। 2013 की फिल्म 'बॉम्बे टाकीज' हिन्दी सिनेमा के सौ साल को चार कहानियों में समटती है। यहां एक कहानी का स्क्रीनप्ले अनुराग ने लिखा है। 2010 की 'उड़ान' का स्क्रीनप्ले अनुराग ने दो अन्य लोगों के साथ मिल कर लिखा है। गजब होता है जब इस फिल्म को 23 पुरस्कार मिलते हैं। फिल्म किशोर युवक एवं उसके पिता के संबंध को दिखाती है। अनुराग कश्यप द्वारा लिखित और निर्देशित 2004 की फिल्म 'ब्लैक फ्राइडे' विवादास्पद रही साथ ही इसे इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ लॉस एंजेलेस का सर्वोत्तम फिल्म का पुरस्कार मिला। फिल्म में 1993 में हुए बम विस्फोट की छान–बीन की गई है। इसके साथ ही पुलिस, षडयंत्र, बिचौलियों, पीड़ितों की स्थिति को उजागर किया गया है। 60 फिल्मों का लेखन करने वाले अनुराग कश्यप अभी खूब सक्रिय हैं। उनसे हिन्दी फिल्म जगत को बहुत आशाएं हैं।

नौकरियों के एजेंडे को आगे लाना जरूरी

पी. चिदंबरम

अठारहवीं लोकसभा के परिणाम ने एक मजबूत विपक्ष खड़ा किया

है, जो 16वीं और 17वीं लोकसभा में नहीं के बराबर था । 2014 और 2019 में हुए पिछले दो लोक सभा चुनावों में कांग्रेस 44 और 52 सीटें लेकर मुख्य विपक्षी पार्टी थी, लेकिन वह विपक्ष के नेता का पद भी नहीं जीत सकी। भाजपा को छोड़कर अन्य सभी पार्टियों के पास बहुत कम सीट थी। भाजपा और उसके चुनाव पूर्व सहयोगियों और अघोषित सहयोगियों (वाईएसआरसीपी और बीजेडी) की आवाज के सामने विपक्ष की आवाज दब गई। भारतीय जनता पार्टी ने इस बात पर विचार करने की जरूरत नहीं समझी कि संख्या बल में कम होने के बाद भी संसद की परंपराओं को किस तरह से बनाए रखा जा सकता है। विपक्षी पार्टियों बार–बार शिकायत करती रही कि संसद की परंपराओं का पालन नहीं किया गया। कई निष्पक्ष पर्यवेक्षक ने भी यह माना था कि दोनों सदन ठंडे पड़ गए। 2024 के लोकसभा चुनाव ने सत्ता दल और विपक्ष दोनों को संसद की गौरवमयी परंपराओं को जीवित रखने का एक बार फिर से मौका दिया है। यही लोकतंत्र का स्वरूप भी है और सार भी। इस बार विपक्ष सवा दो सौ से अधिक सीटों के साथ मजबूती से खड़ा है।

उल्लेखनीय वादे

विपक्ष कांग्रेस के 2024 के मेनिफेस्टो श्न्याय पत्रश से शुरु कर सकता है, जिसमें निम्नलिखित वादों को शामिल किया गया था। हम यह वादा करते हैं कि संसद के दोनों सदन साल में 100 दिनों तक चलेंगे और संसद की प्राचीन परंपराओं को उसी तरह ईमानदारी से निभाया जाएगा। हम यह वादा करते हैं कि सप्ताह में एक दिन, विपक्षी बेंच द्वारा सुझाए गए एजेंडे पर बहस करने के लिए समर्पित होगा। हम वादा करते हैं कि दोनों सदनों के पीठासीन अधिकारी चाहे वह किसी भी राजनीतिक दल के हों, उन्हें राजनीतिक दलों से अपने संबंध तोड़ने होंगे, उन्हें तटस्थ रहना होगा और संसद की बरसों पुरानी परंपरा श्स्पीकर को नहीं बोलना चाहिएश को स्वीकार करना होगा।

इंडिया ब्लॉक इस बात को अपनाने और उसे पूरा करने के लिए मजबूती से लड़ता रहेगा। भारतीय जनता पार्टी को इस 100 दिनों की बैठक, सप्ताह में एक दिन विपक्ष के एजेंडे पर बहस और निष्पक्ष पीठासीन अधिकारी वाले मामले पर कोई वैध आपत्ति नहीं हो सकती है।

दल–बदल रोका जाए

नरेंद्र मोदी की तरह भाजपा भी अब 240 सीट के आंकड़ों से उबर चुकी होगी।

भारत में भीषण गर्मी के कारण बढ़ रही खाई, तुरंत कार्रवाई

ललित

भारत में भीषण गर्मी के बीच की खाई को उजागर करने के लिए उत्तर प्रदेश के एक चोर की जरूरत पड़ी। जून की शुरुआत में एक बहुत ही गर्म दिन पर, एक व्यक्ति लखनऊ के इंदिरानगर इलाके में एक बंद घर में घुसा, परिसर में छानबीन की और कीमती सामान चुरा लिया। फिर, उसने एक एयर कंडीशनर देखा। उसने उसे चालू किया, एक आरामदायक तकिया पाया, लेट गया और सो गया। जब पुलिस पहुंची, तो चोर झपकी ले रहा था। भारत की भीषण गर्मी में इस कहानी ने बहुत हँसी पैदा की। अब कोई नहीं हँस रहा है। खासकर दिल्ली/एनसीआर और देश के बड़े हिस्से में जो लंबे समय से चल रही गर्मी की चपेट में हैं। उत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों में तापमान 46 डिग्री से ऊपर बढ़ रहा है, जिसमें यूपी, उत्तराखंड, बिहार और झारखंड शामिल हैं। दिल्ली क्षेत्र में मौजूदा गर्मी की वजह से कम से कम 50 लोगों की मौत हो गई है, यूपी और ओडिशा में 50 से अधिक और बिहार में कम से कम 22 लोग मारे गए हैं। यकीनन, भीषण गर्मी भारत तक ही सीमित नहीं है। जलवायु परिवर्तन के समय में, स्पष्ट रूप से, अनिश्चित और चरम मौसम नए मानदंड हैं। गर्मी का तनाव दुनिया भर के लोगों को प्रभावित कर रहा है। लेकिन इस बात पर जोर दिया जाना चाहिए कि भारत सहित कई देशों में, अत्यधिक गर्मी के लिए नीतिगत प्रतिक्रिया में समानता को शामिल किया जाना चाहिए। अत्यधिक गर्मी हम सभी को प्रभावित करती है, लेकिन समान रूप से नहीं। यह कोई रहस्य नहीं है कि भारत एक बहुत ही असमान देश है। लेकिन मौजूदा गर्मी सहित लंबे समय तक चलने वाली गर्मी भारत की गहरी सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक कमियों को उजागर करती है। ग्रीनपीस इंडिया और नेशनल हॉकर्स फेडरेशन द्वारा किए गए एक नए अध्य यन हीटवेव हैवॉक रिपोर्ट में इस बात पर मूल्यवान जानकारी दी गई है कि अत्यधिक गर्मी दिल्ली में स्ट्रीट वेंडर्स को कैसे प्रभावित करती है, जिसमें स्वास्थ्य के लिए जोखिम, आजीविका की चुनौतियों और अनुकूलन रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, 49.27 प्रतिशत स्ट्रीट वेंडर उत्तरदाताओं ने हीटवेव के दौरान आय में कमी का अनुभव किया, जिनमें से 80.08 प्रतिशत ने ग्राहकों की संख्या में गिरावट को स्वीकार किया। 50.86 प्रतिशत साक्षात्कारकर्ताओं ने यह भी कहा कि उन्हें अतिरिक्त घरेलू खर्चों के कारण अधिक वित्तीय बोझ का सामना करना पड़ता है, जो अत्यधिक गर्मी के महीनों के दौरान औसतन 4,896.52 रुपये का अतिरिक्त व्यय होता है। अमेरिका स्थित एड्रिएन अर्शट–रॉकफेलर फाउंडेशन रेजिलिएंस सेंटर (अर्शट–रॉक) द्वारा तीन देशों – भारत, नाइजीरिया और संयुक्त राज्य अमेरिका में किए गए हालिया शोध के अनुसार, अत्यधिक गर्मी स्वास्थ्य और आय में लैंगिक असमानताओं को बढ़ाती है – जिसमें 2050 तक वर्तमान और अनुमानित स्थितियों की जांच की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है, ष्महिलाएं अपने भुगतान किए गए कार्य घंटों का 19 प्रतिशत गर्मी के कारण खो देती हैं, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था को अपने सकल घरेलू उत्पाद का 0.8 प्रतिशत या लगभग 67 बिलियन डॉलर प्रति वर्ष का नुकसान होता है।ष जैसे–जैसे तीव्र गर्मी के दिनों की संख्या लगातार बढ़ रही है, तब तक कोई वास्तविक टिकाऊ समाधान नहीं हो सकता है जब तक हम उन लोगों के बीच इस उभरते हुए थर्मल विभाजन को स्वीकार नहीं करते हैं जो वातानुकूलित वातावरण का खर्च उठा सकते हैं या उनकी पहुंच है और वे दिन का बड़ा हिस्सा वहां रह सकते हैं और काम कर सकते हैं, और वे जो नहीं कर सकते हैं, और उन्हें लंबे समय तक तीव्र गर्मी का सामना करना पड़ता बहुत से लोग ऐसे घरों में रहते हैं, जिनमें एयर–कूल्ड नहीं है। इससे उस गहरी परेशानी को कम नहीं किया जा सकता, जिससे अमीर और गरीब, सभी जूझ रहे हैं। लेकिन डिग्री मायने रखती है। कभी–कभी यह जीवन और मृत्यु का मामला होता है। गर्मी की तीव्रता ने कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चाओं को फिर से शुरू कर दिया है, जैसे कि गर्मी से संबंधित मौतों पर सटीक डेटा। कई विशेषज्ञों को लगता है कि आधिकारिक आँकड़ा कम आंका गया है, हालाँकि भारत में अब आधिकारिक दिशा–निर्देश हैं, जो विशेष रूप से बताते हैं कि किसी भी मौत को गर्मी से संबंधित माना जाना चाहिए, भले ही रोगी को पहले से ही ऐसी स्वास्थ्य समस्याएँ हों, जो अत्यधिक तापमान से बढ़ जाती हैं। लेकिन दिशा–निर्देश केवल एक शुरुआती बिंदु हैं। ऐसे कई मुद्दे हैं जो भारतीय वास्तविकता का हिस्सा हैं और जिन्हें गर्मी से संबंधित मौतों को वर्गीकृत करने में संरचनात्मक समस्याओं के साथ–साथ संबोधित किया जाना चाहिए। उदाहरण के लिए, सस्टेनेबल फ्यूचर्स कोलैबोरेटिव के एक साथी आदित्य वलियाथन पिल्लई बताते हैं कि शरीर पर अत्यधिक गर्मी के प्रभाव का निदान करने के लिए देश भर में चिकित्सा डॉक्टरों को प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। अस्पतालों को गर्मी से संबंधित बीमारियों से निपटने के लिए सुसज्जित किया जाना चाहिए। वर्तमान में, अत्यधिक गर्मी से जूझ रहे स्थानों के कई अस्पतालों में हीट स्ट्रोक वाले रोगियों का तापमान जांचने के लिए पर्याप्त थर्मामीटर भी नहीं हैं, जैसा कि हाल ही में ग्राउंड रिपोर्ट ने बताया है। फिर, अस्पताल के बाहर होने वाली मौतों को भी ध्यान में रखना होगा। स्थिति से निपटने का एक तरीका यह है कि अतीत के उपलब्ध आंकड़ों के साथ हीटवेव के दौरान सभी कारणों से होने वाली मृत्यु दर को ट्रैक किया जाए ताकि यह समझा जा सके कि अत्यधिक गर्मी के कारण कितनी अतिरिक्त मृत्यु दर हो सकती है, जैसा कि पिल्लई और अन्य विद्वान सुझाते हैं। अहमदाबाद में मई 2010 की हीट वेव के मामले में ऐसा किया गया था, जिसमें 1,344 अतिरिक्त मौतें सामने आईं और जिसके कारण 2013 में भारत की पहली हीट एक्शन प्लान (भ्।च) बनाई गई। और लागू नहीं किया जाता है। अल्पावधि में, अपरिहार्य आमतौर पर, जो भी व्यक्ति इसे खरीदने में सक्षम है, वह जीवित रहने के लिए या बहुत बीमार पड़ने के लिए, इलाके के हिसाब से एयर–कंडीशनर या एयर कूलर खरीदने के लिए दौड़ पड़ता है। यह समस्या को और बढ़ा देगा, खास तौर पर भीड़भाड़ वाले शहरों में, जहाँ "शहरी गर्मी द्वीप" प्रभाव काम करता है। शहरी गर्मी द्वीपष तब बनते हैं जब शहर प्राकृतिक भूमि कवर को फुटपाथ, इमारतों और अन्य सतहों के घने जमावड़े से बदल देते हैं।

अपनी विभिन्न समस्याों को लेकर मेडिकल कालेज के छात्र बैठे धरने पर

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उमानाथ सिंह राज्य चिकित्सा महाविद्यालय सिद्दीकपुर के मेडिकल छात्रों ने सोमवार को सुबह बिजली पानी समेत तमाम समस्याओं से लेकर निराकरण की माँग को लेकर शाम तक धरना

प्रदर्शन करते रहे।शाम तक कोई जिम्मेदार अधिकारी नहीं पहुंचा मेडिकल कॉलेज में समस्याओं का अंबार लगा हुआ है। मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की तीन बैच संचालित हो रहा है और दो बैच पैरामेडिकल के छात्र हैं। वर्तमान समय में कुल 460 छात्र पठान–पाठन में है जबकि चौथा बैच इस वर्ष आने वाला है। लेकिन छात्रों की मूलभूत सुविधाएं भी नहीं मिल पा रही हैं। जिसमें मुख्य रूप से बिजली पानी की समस्या बड़ी है। जिसे लेकर छात्र छात्राऐ सोमवार को मेडिकल कॉलेज के मुख्य गेट पर धरना प्रदर्शन करने लगे।और जिम्मेदारों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए समस्याओं के निराकरण की मांग करते रहे। जिसमें छात्रों का कहना था कि मेडिकल नियमों के अनुकूल क्लासरूम नहीं है दो क्लास रूम के भरोसे 460 छात्रों की पढ़ाई हो रही है। हॉस्टल सुविधा की समस्या बनी हुई है। आईपीडी की कोई व्यवस्था नहीं है, सुविधा युक्त लेक्चर थियेटर अभी तक नहीं मिल सका है । सबसे बड़ी समस्या है कि परिसर में पक्के रास्ते नहीं है। कीचड़ युक्त रास्तों से छात्रों को आवास तक जाना होता है लाइट की व्यवस्था नहीं है। पहली बारिश होते ही तमाम बिषधर कीड़े जानवर निकल रहे हैं ,जिसे छात्रों खतरा बना हुआ है । इसके अलावा साफ सफाई से लेकर बॉथरूम तक गंदगी अंम्बार है। पानी की कोई सुविधा नहीं है ,जिससे गुस्साए छात्रों को सड़क पर उतरना पड़ा। छात्रों ने मांग की जब तक उनकी समस्याओं का निराकरण नहीं होगा। उनसे जिम्मेदार लोग डीएम व स्वास्थ्य मंत्री मुख्यमंत्री इसे संज्ञान में नहीं लेंगे तब तक हम लोगों का धरना प्रदर्शन चलता रहेगा। छात्रों ने कहा कि मेडिकल कॉलेज में छात्र छात्राऐ बड़ी समस्या से जूझ रहे हैं और यहां के जिम्मेदार लोग कुछ सुनने को तैयार नहीं है। समस्या बढ़ती जा रही है। इस दौरान छात्रों की शिक्षकों से भी नोक हो हुई। छात्रों को कहना था कि उन्हें दो साल से यह भरोसा दिया जाता है ताकि जल्दी ही सभी व्यवस्थाएं कर दी जाएगी ,निर्माण अधीन मेडिकल कॉलेज है लेकिन तीन साल से सुनते–सुनते छात्र परेशान हो गए। अब उनसे यह परेशानी सही नहीं जा रही है।

पीकॉक डांस अकादमी द्वारा अब बोलेगा इंडिया डांस पे चांस

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। पीकॉक डांस अकादमी का ष्अब बोलेगा इंडिया डांस पे चांसष्, सलमान कुरैशी द्वारा निर्देशित और आंचल सिंह द्वारा प्रबंधित, बुद्ध रिसर्च इंस्टीट्यूट में धूम मचा रहा है। समावेशिता को अपनाते हुए, विशेष रूप से विकलांग बच्चों ने प्रतिभाशाली नर्तकियों के साथ मिलकर उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। मेराज कुरेशी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में नृत्य को एक सार्वभौमिक भाषा के रूप में पुष्टि करते हुए एकता और प्रतिभा का जश्न मनाया गया। न्यायाधीश और उपस्थित लोग नृत्य की परिवर्तनकारी शक्ति से प्रभावित हुए और इसकी प्रेरित करने और सशक्त बनाने की क्षमता पर प्रकाश डाला गया। जीवंत प्रदर्शन और हार्दिक क्षणों के साथ, इस कार्यक्रम ने एक अमिट छाप छोड़ी और भारत के नृत्य समुदाय में विविधता और कलात्मक उत्कृष्टता के लिए निरंतर समर्थन का वादा किया। भानु प्रताप सिंह भी वहां उपस्थित थे रहे।

पुलिस उपायुक्त पूर्वी जोन लखनऊ की सर्विलांस सेल, टीम द्वारा 111 अदद गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। पुलिस आयुक्त लखनऊ अमरेन्द्र कुमार सिंह सेंगर एवं संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था लखनऊ, उपेन्द्र अग्रवाल एवं संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) लखनऊ आकाश कुलहरी के निर्देशन एवं पुलिस उपायुक्त पूर्वी जोन, पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ प्रबल प्रताप सिंह के निकट पर्यवेक्षण में नागरिको के खोए हुये मोबाइल फोन बरामद किये जाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे, सर्विलास टीम, कार्यालय पुलिस उपायुक्त, पूर्वी जोन द्वारा जोन के सभी थाना क्षेत्रो से मोबाइल गुमशुदगी के प्रार्थना पत्र जो कि कार्यालय पुलिस आयुक्त द्वारा प्रदान किये गये थे।प्राप्त प्रार्थना पत्रों को सर्विलांस पर लगाकर बरामद किये जाने हेतु पुलिस उपायुक्त पूर्वी जोन द्वारा निर्देश प्राप्त हुये थे।

पुलिस उपायुक्त पूर्वी जोन, कमिश्नरेट लखनऊ प्रबल प्रताप सिंह के कुशल निर्देशन एवं निकट पर्यवेक्षण में गुमशुदा मोबाइलों की बरामदगी के क्रम में सर्विलास सेल पूर्वी टीम के अथक परिश्रम एव लगन के फलस्वरूप विभिन्न कम्पनियों के कुल 111 अद्द मोबाइल फोन लखनऊ व विभिन्न जनपदों एवं प्रदेशों से बरामद किये गये हैं, जिन्हे आज पुलिस उपायुक्त पूर्वी जोन द्वारा उनके वास्तविक मोबाइल धारको को प्रदान किया गया। अपने खोए हुये मोबाइल फोन को प्राप्त कर नागरिकों द्वारा सर्विलांस सेल पूर्वी जोन, लखनऊ की भूरि–भूरि प्रशंसा की गयी एवं पुलिस उपायुक्त से सर्विलांस टीम को पुरस्कृत करने हेतु अनुरोध किया गया।

बरामदगी का विवरणः–

मोबाइल फोन 111 अद्द (कीमत लगभग 25 लाख 50 हजार रूपये)

मोबाइल बरामद करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक सतीश कुमार, उप निरीक्षक प्रशान्त कुमार वर्मा सर्विलास सेल पूर्वी जोन कमिश्नरेट लखनऊ। 3–हे0का0 मनोज कुमार सिंह सर्विलांस सेल पूर्वी जोन कमिश्नरेट लखनऊ। 4–हे0का0 परशुराम राय सर्विलांस सेल पूर्वी जोन कमिश्नरेट लखनऊ। 5–हे0का0 रवीन्द्र प्रताप सिंह तोमर सर्विलांस सेल पूर्वी जोन कमिश्नरेट लखनऊ। 6– हे0का0 हरि किशोर सर्विलास सेल पूर्वी जोन कमिश्नरेट लखनऊा 7–का0 अजय तेवतिया सर्विलांस सेल पूर्वी जोन कमिश्नरेट लखनऊ। 8–म०का० शिल्पी पाण्डेय सर्विलांस सेल पूर्वी जोन कमिश्नरेट लखनऊ। 9–का0 राहुल पाण्डेय सर्विलांस सेल पूर्वी जोन कमिश्नरेट लखनऊ। 10–का0 विमल चन्द्र पाल सर्विलांस सेल पूर्वी जोन कमिश्नरेट लखनऊ। 11–का0 विशाल कुमार सर्विलांस सेल पूर्वी जोन कमिश्नरेट लखनऊ। 12–का0 हितेश सिंह सर्विलांस सेल पूर्वी जोन कमिश्नरेट लखनऊ। 13–का0 सचिन तोमर सर्विलांस सेल पूर्वी जोन कमिश्नरेट लखनऊ। 14–का0 निर्भय थाना पीजीआई पूर्वी जोन कमिश्नरेट लखनऊ शामिल रहे।

भाई ने भाई की गला रेत की हत्या, पिता के शक पर पुलिस ने किया गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। खुटहन थाना क्षेत्र स्थित

उसरौली गांव में सोमवार सुबह युवक की लाश मिलने से सनसनी फैल गई । युवक की हत्या धारदार हथियार से गला रेतकर की गई थी । युवक मुंबई रहता था और दो दिन पहले ही गांव आया हुआ था । युवक की हत्या की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया । सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है ।

खुटहन थाना क्षेत्र के कपसिया गांव का सेराज अहमद रोजी रोटी के सिलसिले में मुम्बई रहता था और दो दिन पहले ही घर लौटा था । परिजनों के मुताबिक वो रविवार शाम को सब्जी लेने के लिए घर से निकला लेकिन वापस नहीं लौटा । सुबह घर वाले उसकी खोजबीन में जुटे, तब तक खबर आई कि उसरौली गांव की दलित बस्ती के पास स्थित बाग में शौच के लिए गए लोगों को सेराज की लाश दिखी है।

सेराज की गर्दन किसी धारदार हथियार से काट दी गई थी और आसपास खून बिखरा हुआ था । सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया।

इस मामले में जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकार शाहगंज अजीत सिंह चौहान ने बताया कि आज सुबह एक शव पाया गया था जिसको पता लगाया गया तो यह ज्ञात हुआ कि यह सिराज का शव है यह कपासिया के रहने वाले हैं उनके परिवार के लोग आए तो उनके पिता ने इनके भाई इरफान द्वारा इनकी हत्या का शक जाहिर किया गया।

इस संबंध में इरफान और उसके एक दोस्त सर्वेश से पूछताछ की गई तो उन्होंने अपना जुर्म कबूल किया। इनके निशान देही पर अंजाम देने वाला आला कत्ल बरामद कर लिया गया है। इनके खिलाफ मुकदमा लिखकर विधि कार्रवाई की जा रही है।

डारेक्टर कोहिनूर कोरियोग्राफर मोनी मिश्रा ने कोहिनूर की माडल के द्वारा शानदार प्रदर्शन किया

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। सेनको गोल्ड डायमंड ज्वैलरी शो रूम गोमती नगर मे न्यू कलेक्शडारेक्टर कोहिनूर कोरियोग्राफर मोनी मिश्रा ने कोहिनूर की माडल के द्वारा शानदार प्रदर्शन किया गया। न्यून का एम डी ए एकडमी कोहिनूर आफ यूपी की आर्गनाइजर डारेक्टर कोहिनूर कोरियोग्राफर मोनी मिश्रा ने कोहिनूर की माडल के द्वारा शानदार प्रदर्शन किया गया। न्यू अराइवल ज्वैलरी का कोहिनूर आफ यूपी की माडल ने खुबसूरती से रैंप वॉक कर सेनको गोल्ड डायमंड ज्वैलरी के ब्रांड को प्रोत्साहित किया सेनको गोल्ड डायमंड शो रूम मे न्यू कलेक्शन डायमंड गोल्ड ज्वैलरी का कोहिनूर आफ यूपी की माडल को ज्वैलरी फोटो शूट किया गया। एम डी ए एकडमी कोहिनूर सेनको के मैनेजर सभी माडल अतिथियों को प्रतीक चिन्ह गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कविता वर्मा कोहिनूर ब्राड अम्बेडकर कोहिनूर आफ यूपी लकी वर्मा उपाध्यक्ष सुमन सैनी एवं सेनको गोल्ड डायमंड शो रूम की स्पेशल गेस्ट कोहिनूर स्मिता जी को बुके गिफ्ट प्रतीक चिन्ह से सम्मानित किया गया। आये हुए सभी सम्मानित अतिथियो का सम्मान किया गया। सभी सम्मानित गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। डारेक्टर मोनी मिश्रा द्वारा सेनको गोल्ड डायमंड आभार प्रकट करते हुए सभी को धन्यवाद किया। सेनको के मैनेजर सभी सीमा वर्मा, खुशबू मिश्रा, शरद और पूरी टीम का बहुत बहुत आभार।

अयोध्या में आपरेशन के बाद नवजात शिशु की मौत, नाराज परिजनों ने जमकर किया हंगामा

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। अयोध्या में निजी अस्पताल में प्रसूता के ऑपरेशन के बाद नवजात शिशु की मौत हो गई। जबकि प्रसूता की हालत गंभीर बनी है। घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल संचालक पर लापरवाही बरतने का आरोप लगाकर हंगामा किया। सूचना पर पहुंची पुलिस आरोपी डॉक्टर को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।मामला कुमारगंज थाना क्षेत्र का है।तिंदौली निवासिनी सुधा दुबे पत्नी सोनू दुबे को 21 जून को प्रसव पीड़ा होने के बाद परिजन कुमारगंज बाजार के खण्डासा मार्ग पर अली हॉस्पिटल में ले गए। परिजनों ने बताया कि जहां अस्पताल संचालक भारत कुमार ने सोनू की पत्नी सुधा को ऑपरेशन कराने के लिए कहा। अन्यथा बच्चों के मुंह में गंदा पानी चला जाएगा, इस डर से सुधा दूबे ने ऑपरेशन के लिए हां कह दी। मगर उसे यह नहीं पता था कि उसका ऑपरेशन कोई सर्जन नहीं बल्कि अस्पताल का संचालक स्वयं ही कर देगा।अस्पताल संचालक भारत ने ऑपरेशन से पहले ब्लड के लिए 8000 हजार और 5000 कुल 13 हजार रूपए नगद भुगतान करा लिया और ऑपरेशन होने के बाद 40 हजार रुपए की और मांग की। जब बच्चे की हालत बिगड़ने लगी तब अस्पताल संचालक ने कहा इसे जिला अस्पताल ले जाइए। परिजन बच्चे को प्राइवेट अस्पताल ले गए जहां पर डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। अस्पताल लौटे परिजनों ने हंगामा शुरू कर दिया। कुमारगंज पुलिस को लिखित प्रार्थना पत्र भी दिया। इसके बाद पुलिस ने अस्पताल संचालकों को पूछताछ के लिए थाने पर ले आई है।घटना के बाद पीड़ित महिला के पति ने झोलाछाप डॉक्टर के खिलाफ शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। हालांकि महिला सुधा दुबे की हालत गंभीर बनी हुई है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक रतन सिंह ने बताया की तहरीर नहीं मिली है। तहरीर प्राप्त होते ही मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

महिला सिपाही ने छेड़खानी व जबरन शादी की धमकी को लेकर सिपाही के खिलाफ दर्ज कराया मुकदमा

अयोध्या। कोतवाली नगर में तैनात महिला आरक्षी ने इसी थाना क्षेत्र में तैनात आरोपी सिपाही के खिलाफ छेड़खानी व जबरन शादी करने के लिये व आये दिन मारपीट करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर कराया है।महिला आरक्षी ने कोतवाली नगर में दी गई तहरीर के माध्यम से बताया कि कोतवाली नगर मे तैनात आरोपी अंकित यादव आये दिन उससे अश्लील हरकतें किया करता था और शादी के लिये दबाव बनाया करता था।इसके अलावा पीड़ित महिला आरक्षी उससे मारपीट भी करता था। तहरीर के माध्यम से महिला आरक्षी ने बताया कि आरोपी सिपाही अंकित यादव आये दिन उसके फोन पर अश्लील हरकतें तो करता ही था इसके अलावा जबरन शादी के लिए ध ामकी देता था।महिला आरक्षी ने बताया कि पिछले महीने 23 मई को आरोपी सिपाही अंकित यादव ने उसे ड्यूटी पर जाते समय जबरन अपनी मोटरसाइकिल पर बिठा लिया।कोतवाली नगर में दिये गये तहरीर के माध्यम से महिला आरक्षी ने बताया कि आरोपी सिपाही अंकित यादव उसे शादी करने के लिए दबाव बनाने लगा। महिला आरक्षी ने बताया कि साकेत महाविद्यालय के पास सिपाही ने उसका फोन तोड़कर महिला आरक्षी को मारा पीटा।उसी दिन राम जन्मभूमि परिसर में ड्यूटी स्थल पहुंच कर धमकाते हुए साथ चलने को कहा।साथ जाने पर उदया स्कूल के पास,तथा गुप्तार घाट पर उसे मारा–पीटा।इसके बाद महिला आरक्षी छुट्टी पर अपने घर चली गई। वापस आने पर पुनः उसका पीछा करने लगा।18 जून को फोन पर आरोपी सिपाही अंकित यादव ने महिला आरक्षी से गाली गलौज करते हुए फिर 21 जून को गुलाबबाड़ी के पास पुनः शादी के लिए दबाव बनाते हुए अभद्रता व छेड़खानी किया।लेकिन स्थानीय लोगों के इकट्ठा हो जाने के चलते महिला आरक्षी बच गई।वहां से बच कर निकल गई।इस मामले में सीओ सिटी शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि महिला आरक्षी की तहरीर पर कोतवाली नगर में मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी गई है और जल्द ही आरोपी सिपाही गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

आर्यावर्त बैंक स्टाफ एसोसिएशन का पंचम त्रैवार्षिक अधिवेशन सम्पन्न

मृत्युंजय प्रताप सिंह

राजधानी लखनऊरू आर्यावर्त बैंक स्टाफ एसोसिएशन का पंचम त्रैवार्षिक अधिवेशन बंधन होटल, निकट भूतनाथ मैट्रो स्टेशन, लखनऊ में साथी उमेश यादव की अध्यक्षता में पूरी सांगठनिक गरिमा,उत्साह व

पूरे जोशो–खरोश के साथ सम्पन्न हुआ। मंच का संचालन साथी अरुणाभ अरुणेश द्वारा बहुत ही सुदर तरीके से किया गया, तत्पशचात उद्घाटन ।प्ठम्। के राष्ट्रीय महामंत्री कामरेड जी. जी. गाँधी द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। साथी आलोक रावत द्वारा सरस्वती वंदना से कार्यक्रम की शुरुआत की गई। डायस पर बैठे हुए सभी अतिथियों का स्वागत माल्यार्पण, शाल व मोमेंटो से किया गया। संगठन के महामंत्री साथी ओ. एन. टण्डन द्वारा स्वागत संबोधन प्रस्तुत करते हुए सांगठनिक नारों के साथ उपस्थित सदस्यों में जोश भरा गया। सभा को सभी अतिथियों कामरेड जी. जी. गाँधी, AIBEA के ऑल इंडिया क्ळै कामरेड रजनीश गुप्ता, आर्यावर्त बैंक के अध्यक्ष संतोष एस, UPBEU के सेक्रेटरी कामरेड एस. के. सांगतानी, महाराष्ट्र से आए साथी सी. पी. गाडगे, बैंक ऑफ इंडिया स्टाफ एसोसिएशन, यू.पी. व उत्तराखण्ड के महामंत्री कामरेड अनंत मिश्रा, महिला कामरेड स्वाति सिंह, संगठन के भूतपूर्व महामंत्री व संरक्षक कामरेड आनंद कुमार, संगठन के वर्तमान संरक्षक कामरेड सुधीर सक्सेना तथा मुख्य वक्ता ज्वाइंट फोरम ऑफ ग्रामीण बैंक यूनियंस के संयोजक कामरेड डी. एन. त्रिवेदी ने संबोधित किया। सभी अतिथियों के संबोधन के उपरान्त मुख्य वक्ता द्वारा ग्रामीण बैंको में 12वें वेतन समझौते के अभी तक लागू न होने सहित अन्य ज्वलंत मुद्दों व भविष्य में बैंकिंग क्षेत्र में आने वाली समस्याओं का विस्तार से वर्णन किया गया तथा संगठन को हर संभव सहयोग प्रदान करने के लिए भी आश्वस्त दिया गया।

जिला वृक्षारोपण समिति की बैठक संपन्न हुई

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ के निर्देशन में डीएफओ प्रवीण खरे की अध्यक्षता में जिला वृक्षारोपण समिति, जिला गंगा समिति तथा जिला पर्यावरण समिति की बैठक विकास भवन सभागार में संपन्न हुई। बैठक में समस्त विभागों से भूमि चयन, वृक्षारोपण हेतु गड्ढा खोदान की प्रगति रिपोर्ट, गड्ढा मापांकन की व्यवस्था, रोपण स्थलों की फोटो तथा वीडियोग्राफी, वृक्षारोपण स्थलों का चयन ऐसी जगहों पर किया जाना तथा ऐसे पौधो का किया जाना जिनसे नदियों का पुनरोद्धार भी किया जा सके आदि के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। सभी को निर्देश दिया गया कि अपने विभाग की कार्ययोजना तैयार कर ले। इस अवसर पर डीसी मनरेगा सुशील त्रिपाठी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी गोरख नाथ पटेल सहित अन्य जिलास्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मीरगंज के पांच लोगों की प्रयाग राज में सड़क हादसे में हुई मौत

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मीरगंज थाना क्षेत्र के चौकीखुर्द गांव से रिस्तेदारी में गए हुए पांच बनवासियो की बाईक से लौटते समय डम्फर की चपेट में आने से एक ही परघ्विार के पांच सदस्घ्यों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा प्रयागराज जिले के सरायममरेज थाना क्षेत्र के रस्तीपुर गांव में हुआ है। पुलिस ने डम्फर को कब्घ्जे में लेते हुए ड्राइवर को हघ्रिासत में ले लघ्यिा है। चौकीखुर्द गांव निवासी विकास कुमार 19 वर्ष पुत्र बल्ली बनवासी बुढिया के इनारा से हण्डिया बारात गया था वहा से वह बारात से लौटने के बाद बाईक से घर चौकीखुर्द लौट रहा था उसके साथ बाईक पर जनता देबी 26 पत्नी नमकीन बनवासी, सुंदरी 7 वर्ष पुत्री नमकीन,दीवाना 3 वर्ष पुत्र नमकीन, व नमकीन की नानी करियई 60 वर्ष निवासी बुढ़िया का इनारा सवार हो गये। पांचों एक ही बाइक से वापस घर चौकीखुर्द के लिए लौट रहे थे कि वह जैसे ही

सरायममरेज के रस्तीपुर स्थित एक पेट्रोल पंप के सामने पहुचे थे कि विपरीत दिशा से आ रही डम्फर की चपेट में आ गए। जिससे बाइक से सभी गिरकर सड़क पर गिर गए जिससे उनकी डम्फर दबकर दर्दनाक मौत हो गयी।

सूचना पर पहुंचे सरायममरेज पुलिस ने मृतक के शवो को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई करते हुए ट्रक चालक को हिरासत मे ले लिया। वहीं सड़क से गुजर रहे लोग हादसा देख हैरान रह गए। सूचना पर पहुची सरायममरेज थाने की पुलिस मौके पर पहुंचकर छानबीन करने में छूट गई है। वही पुलिस ने ट्रक और चालक को पकड़ लिया हैं।

थानाध्यक्ष सरायममरेज योगेश प्रताप ने बताया कि मृतक के शवों को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है।

पुरानी खुन्नस में युवक की पिटाई

उन्नाव, संवाददाता। उन्नाव जिले के शुक्लागंज में कोतवाली गंगा घाट क्षेत्र के मोहल्ला कंचन नगर मोड़ के पास शनिवार रात करीब साढ़े 11 बजे एक युवक की बाइक सवार कुछ दबंगों ने जमकर पिटाई कर दी। घटना ठेले पर से आम खरीदने के दौरान हुई। बताया जा रहा है कि युवकों ने किसी पुरानी बात को लेकर युवक को पीटा है। सरे राह ईंट–बेल्ट से पिटाई होता देख क्षेत्र में हड़कंप मच गया। जान बचाकर किसी तरह घायल युवक कोतवाली पहुंचा और पुलिस को सूचना दी। कोतवाली पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। आरोपी युवकों को पकड़ने के लिए दबिश दी जा रही है। वहीं, घटना का वीडियो वायरल हो गया है। मोहल्ला कंचन नगर निवासी अश्वनी गौतम पुत्र चंद्रशेखर ने बताया कि बीती रात साढ़े 11 बजे वह अपने कार्यालय से घर को लौट रहा था। कंचन नगर मोड़ के पास आम के ठेले से वह आम लेने लगा। तभी तीन बाइक से ऋषि मोहल्ला निवासी मुन्ना माइकल, सूरज आजाद नगर निवासी सूरज उर्फ चीनी व नरेश और चार–पांच अज्ञात युवक आए।

ईंट–पत्थर व लाठी–डंडे से युवक की पिटाई की

सभी किसी पुरानी बात को लेकर उसके साथ मारपीट करने लगे। दबंग युवकों द्वारा कट्टे की बट से सिर पर वार किए गए और ईंट–पत्थर व लाठी–डंडे से युवक की पिटाई की गई। इससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना से आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया। किसी तरह से घायल युवक खुद को बचाकर कोतवाली पहुंचा और पुलिस को सूचना दी। वहीं, घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

मीडिया चौनल के युवक को मोबाइल भी तोड़ा

इसके बाद हरकत में आई पुलिस ने सभी आरोपियों को पकड़ने के लिए दबिश देना शुरू कर दिया है। कोतवाली गंगा घाट प्रभारी रामफल प्रजापति ने बताया कि सभी आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है। घायल युवक यूट्यूब में एक चौनल भी चलाता है। किसी पूरानी बात को लेकर खुन्नस में मारपीट की घटना हुई है। वहीं, घटना का विडियो बना रहे एक मीडिया चौनल के योगेंद्र का दबंग युवकों ने मोबाइल तोड़ दिया, जिसकी तहरीर पुलिस को दिए जाने की बात कही गई है।

पशु व्यापारी का अपहरण कर शव फंदे पर लटकाया

हमीरपुर, संवाददाता। हमीरपुर जिले के राठ कोतवाली में शनिवार को शिकायत दर्ज कराने गया पशु व्यापारी देर शाम तक घर वापस नहीं लौटा। परिजनों ने थाने में अपहरण की तहरीर दी। रविवार को खेतों में संदिग्ध परिस्थितियों में शव फंदे पर लटका मिला। पत्नी ने हत्या का आरोप लगाया। व्यापारी एक सप्ताह पहले से हत्या की आशंका जताते पुलिस से गुहार लगाता रहा। जरिया थाना क्षेत्र के पचखुरा निवासी आशा यादव ने बताया कि नगर के पठानपुरा मोहल्ले में मकान बनाकर पति मूरत सिंह (60) के साथ रहती हैं। गांव में मकान व 13 बीघा जमीन है। इससे आना–जाना रहता है। बताया कि उनके कोई संतान न होने से पारिवारिक लोगों की उनकी संपत्ति पर नियत खराब है। मकान में जबरन कब्जा कर लिया। साथ ही जमीन बैनामा करने का दबाव बना रहे थे। पति मूरत सिंह के विरोध करने पर 18 जून को उनके साथ मारपीट की थी।

देर शाम को पति का अपहरण हो गया

आरोप लगाया कि कई बार जरिया व राठ कोतवाली में हत्या होने की आशंका पर शिकायत की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। शनिवार सुबह मूरत सिंह थाने में शिकायत दर्ज कराने के लिए गए थे। देर शाम को सूचना मिली कि पति का अपहरण हो गया। कोतवाली में अपहरण की तहरीर दी।

नीम के पेड़ से लटका मिला शव

रविवार सुबह हमीरपुर रोड स्थित खेत में लगे नीम के पेड़ में रस्सी के सहारे शव लटका मिला। सूचना पर सीओ दिलीप सिंह, कोतवाल उमेश कुमार सिंह, जरिया इंस्पेक्टर भरत कुमार मौके पर पहुंचे। डॉग स्क्वायड टीम ने मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल की।

पत्नी को कोतवाली में बैठा रखा

वहीं, पुलिस ने व्यापारी की पत्नी को कोतवाली में बैठा रखा है। उसे किसी से मिलने नहीं दे रही है।

सीओ दिलीप सिंह ने कहा कि हर पहलू पर गहराई से जांच की जाएगी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद हत्या की पुष्टि होगी। इसके बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त खबरें

टेंट खोलते समय युवक को लगा करंट, मौत

बांदा, संवाददाता। दहिनवारा कार्यक्रम में टेंट लगाने गए युवक को करंट लग गया। इससे उसकी मौत हो गई। गिरवां थाना क्षेत्र के सरसवाय गांव निवासी रोहित कुमार (21) अपने फूफा नरैनी निवासी अशोक के टेंट हाउस में काम करता था। वह शुक्रवार को नरैनी में एक दहिनवारा कार्यक्रम में गया था। टेंट खोलते समय बिजली के तार के करंट से बेहोश हो गया। परिजन उसे लेकर रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज पहुंचे। वहां उसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

जीजा अरविंद ने बताया कि रोहित दो भाइयों में बड़ा था। तीन बहनें सभी शादीशुदा हैं। मां केशकली का सात महीने पहले निधन हो चुका है। पिता छोटवा मजदूरी करते हैं। नरैनी कोतवाल सुरेश कुमार सैनी ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

किशोरी से दुष्कर्म के आरोपी को बंधक बनाकर पीटा

शामली, संवाददाता। शामली में किशोरी को बहला फुसलाकर ले जाने और दुष्कर्म के आरोपी युवक को किशोरी पक्ष के लोगों ने घर में बंधक बनाकर पीटा। मारपीट में युवक गंभीर घायल हो गया। युवक गुंडा अधिनियम के मामले में बनत तहसील में तारीख से लौट रहा था। युवक की मां ने शहर कोतवाली में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। झिंझाना थाना इलाके के एक गांव निवासी महिला ने शहर कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि उसके पुत्र का गांव की लड़की के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। यह लड़की वर्तमान में शामली में रिश्तेदारी में रह रही है। करीब एक साल पहले दोनों घर से चले गए थे और बाद में वापस अपने–अपने घर आ गए थे। इस मामले में किशोरी के परिजनों की तरफ से झिंझाना थाने पर उसके पुत्र के खिलाफ लड़की को ले जाकर दुष्कर्म करने और पोक्सो एक्ट की धारा में मामला दर्ज किया था। इस मामले में युवक जेल गया था और करीब छह माह पहले जमानत पर आया था। परिजनों का कहना है कि पुलिस ने उसके खिलाफ गुंडा अधिनियम के तहत भी मामला दर्ज कर लिया था। महिला के मुताबिक, दो दिन पहले गुरुवार को उसका पुत्र बनत के निकट शामली तहसील में गुंडा अधिनियम के मामले में तारीख पर गया था। आरोप है कि जब वह तहसील से लौट रहा था तो लड़की के रिश्तेदार व परिजनों ने शामली में सहारनपुर तिराहे से युवक को उठा लिया।

इसके बाद शामली में लड़की के रिश्तेदार के घर ले गए। आरोप है कि लड़की के परिजनों और रिश्तेदारों ने रातभर युवक को बंधक बनाकर उसकी बेरहमी से पिटाई की और शुक्रवार सुबह घायलावस्था में घर के बाहर फेंक दिया। इसके बाद पुलिस को सूचना दे दी। पुलिस ने घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां से उसे मेरठ मेडिकल रेफर कर दिया। कोतवाली पुलिस का कहना है कि मामले की जांच कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

मां ने दो बच्चों सहित जहरीला पदार्थ खाया, मौत

हमीरपुर, संवाददाता। हमीरपुर जिले के मुस्करा कस्बे में एक बहन ने शनिवार शाम करीब तीन बजे अपने दो बच्चों सहित जहरीला पदार्थ खा लिया। इसमें महिला और बड़े बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, छोटे बच्चे की हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर किया गया, जिसकी रास्ते में मौत हो गई। भाई द्वारा लड़कर घर से निकाले जाने के चलते बहन नाराज थी। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। थाना क्षेत्र के बंडवा गांव निवासी राजकुमारी पत्नी रामकुमार ने बताया कि उसकी बेटी मोहनी (26) ने 10 वर्ष पूर्व राठ क्षेत्र के कछुवा गांव निवासी हेमंत से प्रेम विवाह किया था।

मां बोली– बेटी का अपने भाई गोलू से झगड़ा हो गया था

पिछले दो वर्षों से पति–पत्नी विवाद के चलते अलग–अलग रह रहे थे। बेटी अपने दो बच्चों गौतम (5) व हर्ष (3) सहित नोएडा में रहकर मजदूरी कर अपना जीवन यापन कर रही थी। वो पिछले सप्ताह नोएडा से अपने मायके बंडवा आई थी। घर आने के बाद बेटी का अपने भाई गोलू से झगड़ा हो गया।

भाई ने कहा थी घर से निकल जाने की बात

इसके चलते भाई ने उसे घर से निकल जाने की बात कह दी थी। इस पर वह अपने दादा धन्नु के घर में रह रही थी। शनिवार दोपहर वह अपने दोनों बच्चों को लेकर नोएडा जाने की बात कहकर घर से मुस्करा आ गई थी। यहां उसने बैंक ऑफ बड़ौदा के पास बच्चों सहित जहरीला पदार्थ खाकर जान दे दी।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद होगी कार्रवाई

थाना प्रभारी शशि पांडे ने बताया की घटनास्थल पर मां–बेटे के शवों को कब्जे में ले लिया गया है। वहीं, छोटे बेटे को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर किया गया था, जिसकी रास्ते में मौत हो गई है। मामले की गहनता से जांच की जा रही है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

घटना देख कस्बे में फैली सनसनी

मुस्करा कस्बा में शाम तीन बजे उस समय सनसनी फैल गई, जब लोगों को मालूम चला कि बैंक ऑफ बड़ौदा के पीछे खाली पड़ी जमीन पर एक महिला दो बच्चों सहित मृत पड़ी है। ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि महिला व एक बच्चे की मौके पर मौत हो चुकी थी।

वहीं, दूसरा बच्चा जिंदगी और मौत के बीच झूल रहा था। उसे आनन फानन पुलिस ने सीएचसी में भर्ती कराया।

घरों में गंदे पानी की सप्लाई, 20 हजार आबादी प्रभावित

बांदा, संवाददाता। दो दिन पूर्व हुई बारिश के बाद शहर के कई मोहल्लों में पेयजल आपूर्ति से गंदा पानी आ रहा है। पीने व नहाने योग्य पानी न होने से लोग परेशान हैं। आसपास लगे हैंडपंपों या फिर सबमर्सिबल वालों से मांग कर पानी का जुगाड़ कर रहे हैं। जल संस्थान अधिकारियों को इसकी जानकारी नहीं है। शहर के महेश्वरी देवी रोड, बन्योटा, छावनी मोहल्लों में करीब 20 हजार की आबादी दो दिन से पेयजल को लेकर परेशान है। यहां सुबह पेयजल आपूर्ति में टोटियों से बेहद गंदा पानी आ रहा है। उसमें इतनी सड़ांध रहती है कि न तो नहा सकते हैं और न ही पी सकते हैं। महेश्वरी देवी रोड मोहल्ले के अरुण कुमार सैनी का कहना है कि दो दिन पहले तक पानी साफ आता रहा है। गुरुवार को बारिश होने के बाद से टोटियों से बेहद गंदा पानी निकल रहा है। पानी न गंदा होने की वजह से नहाने व पीने के लिए दूर–दूर से पानी लाना पड़ता है। हैंडपंप भी आसपास नहीं है। लोग साइकिल या ठेलिया में पानी लाकर अपनी प्यास बुझाते हैं। छावनी निवासी शकील अहमद व बन्योटा निवासी राकेश कुमार, सुनील कुमार गुप्ता का कहना है कि जल संस्थान गंदे पानी को लेकर शिकायत की गई है, पर समस्या का निवारण नहीं हो पा रहा है। बताया कि पहले भी गंदा पानी आता रहा है, पर फिटकरी से साफ हो जाता था। अब यह फिटकरी से भी साफ नहीं होता है। शहर के इन मोहल्लों में गंदा पानी आने की शिकायत नहीं मिली है।

एक्सप्रेसवे पर स्लीपर बस खंदक में गिरी, 110 सवारियां थी सवार

कन्नौज, संवाददाता। कन्नौज जिले में जौनपुर से 110 सवारियों को भरकर दिल्ली जाते समय स्लीपर बस सौरिख थाना क्षेत्र में एक्सप्रेसवे पर खंदक में जा गिरी। हादसा तड़के सुबह हुआ, जब चालक को झपकी लगने से डिवाइडर को तोड़ते हुए बस कई चक्कर खाकर नीचे जा गिरी। हादसे से बस में चीख–पुकार मच गई और लगभग 40 सवारियां घायल हो गईं। घायलों को एम्बुलेंस द्वारा सीएचसी भर्ती कराया गया, जहां 12 लोगों की गंभीर हालत में तिर्वा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। सूचना मिलते ही यूपीडा, कई एम्बुलेंस और पुलिस की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। टीमें घायलों के बचाव व राहत कार्य में जुटी हुई हैं। कन्नौज जनपद के थाना ठठिया के गांव गढ़ापुरवा निवासी सौरभ कुमार (25) पुत्र छोटेलाल आरएस यादव की प्राइवेट डबल डेकर बस जौनपुर से 110 सवारियां भरकर दिल्ली आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस द्वारा जा रहा था।

कई चक्कर खाते हुए खंदक में गिरी बस

तभी थाना क्षेत्र सौरिख में रविवार की सुबह लगभग चार बजे ग्राम नगला वीरभान के सामने किलोमीटर संख्या 159, 250 पर बस चालक सौरभ को झपकी लगने से डिवाइडर व जाली को तोड़ते हुए कई चक्कर खाते हुए नीचे खंदक में जा गिरी। हादसे से सवारियों में चीख पुकार मच गई।

35 से 40 सवारियां घायल

हादसे में 35 से 40 सवारियां घायल हो गईं। घटना की जानकारी होते ही पहुंचे सुरक्षा अधिकारी मनोहर सिंह की सूचना पर पहुंची थाना सौरिख, छिबरामऊ, हसेरन तालग्राम, तथा यूपीडा की लगभग 12 एम्बुलेंस व सौरीख ,सकरावा, छिबरामऊ समेत कई थाने की गाड़ियां मौके पर पहुंच गई।

बस को क्रेन से हटाकर टोल प्लाजा पर खड़ा कराया

लगभग 30 सवारियों को उपचार के लिए सीएसची भर्ती कराया गया, जहां 12 लोगों की हालत गंभीर होने पर डॉक्टर ने तिर्वा मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। 10 से 12 सवारी के मामूली चोटें आई थीं, जिनका एम्बुलेंस में प्राथमिक उपचार कर दिया गया। हादसे के बाद दुर्घटनाग्रस्त बस को क्रेन से हटाकर टोल प्लाजा पर खड़ा कराया गया।

बस की कुछ सवारियों ने लगाया लूटपाट का आरोप

अस्पताल में आए घायलों ने जानकारी देते हुए बताया कि घटना के बाद आसपास गांव के ग्रामीणों ने आकर कई सवारियों के मोबाइल व नगदी पार कर दी। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक दिग्विजय सिंह का कहना है मामले की छानबीन कर कार्रवाई की जाएगी।

कार से बुलेट टकराने पर विवाद... सरेराह कपड़ा कारोबारी की गोली मारकर हत्या

मेरठ, संवाददाता। मेरठ के लोहिया नगर थाना क्षेत्र की जाकिर कॉलोनी में शनिवार शाम कार से बुलेट टकराने के विवाद में कपड़ा कारोबारी की सरेराह गोली मारकर हत्या कर दी गई। कई राउंड फायरिंग होने से क्षेत्र में भगदड़ मच गई। आरोपी मौके से फरार हो गए। हत्या के बाद आक्रोशित परिजनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए थाने पर जमकर हंगामा किया। जाकिर कॉलोनी निवासी 40 वर्षीय अनीस मलिक पुत्र यासीन मलिक कपड़े का कारोबार करता था। शनिवार शाम वह अपने चचेरे भाई फुरकान के साथ कार से कहीं जा रहा था। रास्ते में उनकी कार पड़ोसी इमरान मलिक पुत्र इरशाद मलिक की बुलेट से टकरा गई। इसे लेकर इमरान और अनीस के बीच कहासुनी और मारपीट हो गई। आरोप है कि इमरान ने अपने साथी रिजवान, आरिफ, साद और फुरकान को मौके पर बुला लिया। इन लोगों ने अनीस और फुरकान पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। एक गोली अनीस की आंख में जा लगी। आरोपी हवाई फायरिंग करते हुए फरार हो गए। सरेराह कई राउंड फायरिंग होने से लोगों में भगदड़ मच गई। मौके पर पहुंचे अनीस के परिजन उसे अस्पताल ले गए। चिकित्सकों ने अनीस को मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को मोर्चरी भिजवा दिया। परिजन एकत्र होकर लोहिया नगर थाने पहुंच गए। आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए हंगामा करने लगे। देर रात करीब 12 बजे तक परिजनों की ओर से थाने में तहरीर नहीं दी गई थी। थाने पर हंगामा जारी था। एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह का कहना है कि आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। परिजनों की तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल

अनीस के परिवार में पत्नी के अलावा दो पुत्र और दो पुत्रियां है। परिजनों को अनीस की हत्या की खबर मिली तो सभी का रो–रोकर बुरा हाल हो गया। पत्नी रोते हुए बेसुध हो गई। परिजनों ने किसी तरह उसे संभाला।

ससुराल जाने को निकले युवक का शव पेड़ से लटका मिला

महोबा, संवाददाता। महोबा में घर से ससुराल जाने की बात कहकर निकले युवक का शव चांदो गांव से निकले रेलवे ट्रैक किनारे पेड़ से लटका मिला। मृतक के पिता ने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हमीरपुर के सुमेरपुर निवासी रामबहादुर पाल ने अपने बेटे देवेंद्र उर्फ दीपू (30) की शादी थाना कुराra के बिलौटा गांव निवासी नीतू से की थी। 20 जून को वह ससुराल से पत्नी को लाने की बात कहकर घर से निकला था। शनिवार की देर शाम चांदो गांव के ग्रामीण रेलवे ट्रैक से गुजरे तो पास में लगे बबूल के पेड़ में युवक का शव अंगोछा के फंदे पर लटका देख पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाते हुए शिनाख्त कराई। रविवार को अस्पताल पहुंचे मृतक के पिता ने उसकी शिनाख्त अपने बेटे देवेंद्र के रूप में की। पिता ने बेटे की मारपीट के बाद हत्या की आशंका जताई है। घटना से मृतक की पत्नी, पांच साल के बेटे बउआ व अन्य परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। कोतवाल नरेंद्र प्रताप सिंह का कहना है कि घटना जानकारी मिली है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही घटना के सही कारण स्पष्ट हो सकेंगे।

ऊन मिल का गन्ना रकबा बढ़ा

शामली, संवाददाता। जिले में चीनी मिलों का गन्ना सर्वेक्षण का कार्य पूरा हो गया है। गन्ना सर्वेक्षण में थानाभवन– शामली चीनी मिलों का गन्ना रकबा घटा है जबकि ऊन चीनी मिल के गन्ने रकबे में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। जिले की थानाभवन चीनी मिल गत पांच अप्रैल, ऊन चीनी चीनी मिल 9 अप्रैल और शामली चीनी मिल 20 अप्रैल को अपना पेराई सत्र समाप्त कर चुकी है। प्रदेश के गन्ना आयुक्त के निर्देश पर गत 15 अप्रैल से लेकर गत 15 जून तक जिले में गन्ना सर्वे करने के निर्देश दिए थे। हाल ही में जिले की चीनी मिलो का गन्ना सर्वेक्षण पूरा हो गया है। गन्ना सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक थानाभवन चीनी मिल 24 हजार 658 हेक्टेयर गन्ना रकबा भूमि के सापेक्ष 24 हजार 572 हेक्टेयर गन्ना रकबा गन्ना सर्वेक्षण में आया है। ऊन चीनी मिल में 11615 हेक्टेयर गन्ना रकबा के सापेक्ष 11 हजार 800 हेक्टेयर गन्ना रकबा सर्वेक्षण में आया है। अपर दोआब चीनी मिल के सीनियर गन्ना प्रबंधक एससीपी सिंह का कहना है कि शामली चीनी मिल का पिछले साल 16 हजार 618 हेक्टेयर गन्ना रकबा था। इस साल 16 हजार हेक्टेयर गन्ना रकबा सर्वेक्षण में आया है। उनका कहना है कि 618 हेक्टेयर गन्ना रकबा घटा है। जिले की चीनी मिलो के गन्ना सर्वेक्षण में थानाभवन चीनी मिल का पिछले सत्र के सापेक्ष इस साल 86 हेक्टेयर गन्ना सर्वेक्षण में कम हुआ है। जबकि ऊन चीनी मिल के रकबा में पिछले साल के सापेक्ष इस साल 158 हेक्टेयर की बढ़ोतरी हुई है।

सहारनपुर मंडल के उपगन्ना आयुक्त ओपी सिंह ने बताया कि जिले की चीनी मिलों का गन्ना सर्वेक्षण पूरा हो चुका है। अधूरे गन्ना प्लॉट का सर्वेक्षण पूरा करने का निर्देश दिए हैं।

हाईवे, बाईपास में चली गई कृषि भूमि, विकसित हो गई आवासीय कॉलोनी

शामली। जिले में कृषि खेती का रकबा हाईवे निर्माण में जाने और आवासीय कॉलोनियों में तब्दील होने से गन्ना रकबा घटा है।

पिछले पांच सालों में जिले में दिल्ली– शामली, सहारनपुर, मेरठ– करनाल और पानीपत खटीमा हाईवे के शामली बाईपास, दिल्ली– देहरादून और अंबाला– शामली ग्रीन फील्ड इकोनामिक कॉरिडोर में कृषि भूमि जाने और बाईपास के चारों ओर आवासीय कॉलोनी विकसित होने से गन्ना रकबा घटता जा रहा है।

स्मार्ट सड़कों से नहीं हटाया मलबा तो लगेगा जुर्माना

सहारनपुर, संवाददाता। स्मार्ट सिटी सहारनपुर के सीईओ/नगरायुक्त संजय चौहान ने कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए परियोजनाओं की समीक्षा की। स्मार्ट सड़कों पर छोड़े गए मलबे को लेकर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की। चेतावनी दी कि यदि स्मार्ट सड़कों से मलबा नहीं हटा तो संबंधित संस्था पर जुर्माना लगाया जाएगा। शनिवार को नगर निगम परिसर स्थित स्मार्ट सिटी कार्यालय में हुई बैठक में सीईओ ने कहा कि शहर में स्मार्ट रोड पर जगह–जगह मलबा व अन्य निर्माण संबंधी सामान डाला गया है। भूमिगत की जा रही विद्युत लाइनों से जुड़ा सामान भी सड़कों पर ही छोड़ा गया है। इसकी वजह से नागरिकों को कई प्रकार की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। संबंधित कार्यदायी संस्थाओं को तीन दिन का समय दिया जा रहा है कि वह सड़कों पर फैलाए गए सामान को हटा लें। बैठक में स्मार्ट सिटी सहारनपुर के अधिशासी अभियंता अमरेंद्र गौतम, डीजीएम सिविल दिनेश सिंघल, डीजीएम वित्त मोहित कुमार, अधिशासी अभियंता जल निगम रुचिन यादव आदि मौजूद रहे।

सरकारी एंटीबायोटिक इंजेक्शन और सिरप के सैंपल फेल

सहारनपुर, संवाददाता। सरकारी अस्पताल की दवाई भी मानकों पर खरी नहीं उतरती है। दो महीने पहले जनपदीय ड्रग वेयर हाउस से छह दवाओं के नमूने लिए गए थे। प्रयोगशाला की जांच रिपोर्ट में दो दवाओं के सैंपल फेल आए हैं, जिनमें एंटीबायोटिक इंजेक्शन व खांसी का सिरप शामिल है। हैरानी की बात यह है कि 7400 एंटीबायोटिक इंजेक्शन सरकारी अस्पतालों में बंट चुके हैं, जो मरीजों को लगाए जा चुके हैं। औषधि निरीक्षक आशुतोष चौबे ने गंगोह में लखनौती स्थित जनपदीय ड्रग वेयर हाउस से 26 अप्रैल 2024 को एंटीबायोटिक इंजेक्शन सहित छह दवाओं के सैंपल लिए थे। इसके बाद इन सभी सैंपलों को लखनऊ प्रयोगशाला भेजा गया। प्रयोगशाला से औषधि प्रशासन विभाग को शुक्रवार को सैंपलों की जांच रिपोर्ट मिली। रिपोर्ट के अनुसार, एंटीबायोटिक इंजेक्शन में 82.5 व खांसी सिरप में 81 प्रतिशत दवा पाई गई है, जो मानक पर खरे नहीं हैं। औषधि प्रशासन ने स्वास्थ्य विभाग को पत्र जारी कर तत्काल रोक लगाने का अनुरोध किया है। इसके साथ ही संबंधित दवा निर्माता फर्म और ड्रग वेयर हाउस को नोटिस दिया। जिसमें पांच दिन का समय दिया गया है। हालांकि चार दवाओं के सैंपल जांच में मानक पर खरे उतरे, जो दर्द निवारक, एंटी फंगल आदि की थी। अप्रैल में ड्रग वेयर हाउस से छह दवाओं के सैंपल हुए थे।

इरफान पठान के मैकअप आर्टिस्ट की मौत

मेरठ, संवाददाता। पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर इरफान पठान के मैकअप आर्टिस्ट और नगीना के रहने वाले 22 वर्षीय फय्याज अंसारी की वेस्टइंडीज के एक होटल के स्विमिंग पूल में नहाते समय मौत हो गई है। युवक की मौत का समाचार नगीना पहुंचा तो परिवार में कोहराम मच गया। नगर के मोहल्ला काजी सराय प्रथम निवासी पालिका सभासद मोहम्मद अहमद ने बताया कि उसका तहेरा भाई फय्याज अंसारी पिछले करीब सात वर्षों से मुंबई में सैलून चलाता था। इस दौरान फय्याज पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर इरफान पठान का मैकअप आर्टिस्ट बन गया था। वह पठान के साथ विदेशी दौरों पर भी जाने लगा। बताया कि इस समय आईसीसी मेंस टी–20 वर्ल्ड कप 2024 खेला जा रहा है। टूर्नामेंट के सुपर 8 के मुकाबले वेस्टइंडीज में खेले जा रहे हैं। इरफान पठान स्टार स्पोर्ट्स की कमेंट्री टीम के साथ वेस्टइंडीज में हैं। फय्याज भी पठान के साथ ही था। बताया गया कि 21 जून की शाम को सूचना आई की फय्याज की वेस्टइंडीज के एक होटल के स्विमिंग पूल में नहाने के दौरान डूबने से मौत हो गई है। इरफान पठान खुद ही वेस्टइंडीज में सभी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद फय्याज अंसारी के शव को लेकर दिल्ली आएंगे। उसके बाद परिजन दिल्ली से शव लेकर नगीना आएंगे।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI NO - UPHIN/2022/86937

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।